राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 02 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-38 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बोलेरो के पलटने से तीन की मौत

■ आठ गंभीर रूप से घायल

बाराबंकी (एजेंसी)। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर लोनीकटरा के नेरा कबूलपुर गांव के पास टॉयर फटने से अनियंत्रित हुई बोलेरो पलटने से तीन की मौत हो गई जबकि आठ लोग घायल हो गए। यूपीडा सुरक्षा ने पुलिस के साथ राहत व बचाव कार्य करते हुए सभी को लखनऊ भेजवाया। पुलिस के अनुसार बोलेरो लखनऊ से अयोध्या जा रही थी। अचानक पिछला टॉयर फका और बोलेरो एक्सप्रेस वे पर पलटते चली गई। सूचना पर पहुंची यूपीडा सुरक्षा व लोनीकटरा पुलिस ने क्षतिग्रस्त हो चुकी बोलेरो में सवार लोगों को निकाला और निकट में स्थित लखनऊ जिले के गोसाइगंज सीएचसी भेजा। पुलिस के अनुसार गाड़ी में अयोध्या के इनायतनगर थाना क्षेत्र केसुक्खापुर गांव के चालक अजीत कुमार, इसी थाना क्षेत्र के गांव देवीपुर के वंश बहादुर, इनकी पत्नी निर्मला, राजकुमार, करमचंद की पत्नी श्याम कली, बाबूराम, रंगबहादुर की पत्नी रेखा, बलिराम की पत्नी शांति देवी, इंद्रपति, पांडेयपुरवा गांव के सियालाल व इनकी पत्नी पराना घायल हो गई थीं। लोनीकटरा थानाध्यक्ष अभय कुमार मौर्य ने बताया कि बाबूराम, रेखा व शांति देवी की मौत लखनऊ में हो गई है। पुलिस एंबुलेंस के साथ गई थी। अयोध्या से परिजन लखनऊ पहुंच रहे हैं। वहीं पर पोस्टमार्टम किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस का साइबर ठगों पर बड़ा एक्शन: 11 राज्यों में छापेमारी

■ डेढ़ करोड़ की ठगी का खुलासा: 27 आरोपी पकड़े

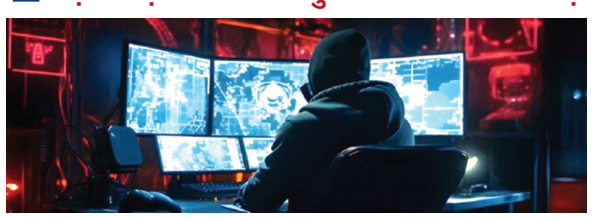

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम जिला साइबर सेल ने जालसाजों के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई करते हुए 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सप्ताहभर चले इस विशेष अभियान में 11 राज्यों में एक साथ छापेमारी की और पुलिस ने करीब 10 बड़े मामलों का खुलासा किया है। इन मामलों में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की ठगी सामने आई है, जबकि आरोपियों के बैंक खातों में करीब 13.91 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि साइबर सेल की टीम ठगी के मामलों की जांच कर रही थी। तकनीकी जांच करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और फिर जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों में एक साथ दबिश दी।गिरफ्तार आरोपियों का संबंध निवेश ठगी, एपीके फाइल ठगी, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए ठगी, क्रेडिट कार्ड जालसाजी सहित अन्य ठगी से है।

महाराष्ट्र : नागपुर में बारूद कंपनी में ब्लास्ट, 17 की मौत

18 लोगों की हालत गंभीर, मटेरियल बनाते वक्त धमाका हुआ

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब 7 बजे धमाका हो गया। हादसे में 17 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है।

मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। 15 घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है। नागपुर के कलमेश्वर में स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड (पूर्व में स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड) औद्योगिक विस्फोटकों की एक प्रमुख निमार्ता कंपनी है। यह कंपनी खनन परियोजनाओं के लिए विस्फोटक, डेटोनेटर जैसे विस्फोटक बनाती है। रविवार सुबह कर्मचारियों ने काम शुरू ही किया था, तभी प्लांट में डेटोनेटर बनाने की प्रोसेस के दौरान एक तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हादसे के दौरान कंपनी में 30 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे।

सीएम फडणवीस ने खेद जताया

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर कहा- एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। 17 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मैं मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस घटना में 18 लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत नागपुर ले जाया गया है। आपातकालीन आदेश जारी कर दिए गए हैं।

पीएम मोदी ने तमिलनाडु-पुडुचेरी में 7,100 करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू किए

मदुरै में बोले-विकसित भारत में तमिलनाडु का अहम योगदान; तिरुप्परनकुंद्रम में मंदिर में पूजा की

चेन्नइ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को पुडुचेरी और तमिलनाडु पहुंचे। पुडुचेरी में उन्होंने 2700 करोड़ और तमिलनाडु में 4,400 करोड़ रुपए से ज्यादा के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। साथ ही तमिलनाडु में ही आठ नए बने अमृत भारत रेलवे स्टेशनों, तीन नए आकाशवाणी FM रिले ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया। इसके बाद मोदी ने मदुरै में सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा, तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। हमारा सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। इसके बाद पीएम मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर भी गए। वहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और दंडवत प्रणाम किया। मंदिर के पुजारियों ने पीएम को भगवान की तस्वीर भेंट की। हाल ही में मैंने सुना कि डीएमके के किसी व्यक्ति ने कहा कि उन्हें मेरे पिता या मुझसे डर नहीं लगता। मैं यह बात स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि लोकतंत्र में कोई किसी से नहीं डरता। इसलिए, जब कोई कहता है कि उन्हें मुझसे डर नहीं लगता, तो वे मेरी आलोचना नहीं कर रहे हैं; बल्कि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति मेरी प्रतिबद्धता की सराहना कर रहे हैं। आज तमिलनाडु की महिलाएं गंभीर संकट में हैं। अपराध बढ़ रहा है। लगभग हर दूसरे दिन महिलाओं के खिलाफ किसी न किसी अपराध की खबर सुनने को मिलती है। इसके अलावा, महिलाएं अपने परिवारों को ड्रग माफिया और शराब के चंगुल में बर्बाद होते देख रही हैं। उन्हें याद आता है कि अम्मा के समय उनका जीवन कितना बेहतर था। तमिलनाडु एक तटीय राज्य है और इसमें विकास की अपार संभावनाएं हैं। लेकिन जब कांग्रेस और डीएमके पहले सत्ता में थीं, तब वे निष्क्रिय थीं। मदुरवॉयल कॉरिडोर रुका रहा, थूथुकुडी ट्रांसशिपमेंट सिर्फ कागजों पर ही रह गया। 2014 के बाद हमें चेन्नई बंदरगाह मिला। हमने बंदरगाह और मदुरवॉयल एलिवेटेड कॉरिडोर को पुनर्जीवित किया। हमने कामराजा और चेन्नई बंदरगाह को एकीकृत करके भारत का पहला पोर्ट क्लस्टर बनाया। तमिलनाडु एक तटीय राज्य है और इसमें अपार संभावनाएं हैं।

भगवान मुरुगन के दर्शन किए

यहां आने से पहले, मैं तिरुपरनकुंड्रम गया था और भगवान मुरुगन के दर्शन करके दिव्य अनुभूति प्राप्त की। मैंने तमिलनाडु और पूरे देश की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उसी समय मेरा हृदय भारी हो गया और मुझे उस युवा भक्त की याद आ गई जिसने अपने प्राणों का बलिदान दिया। आज मैं उनकी पत्नी और उनके दो छोटे बच्चों से मिला। मुझे उनका दुख महसूस हुआ और मैंने उन्हें अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मैं प्रार्थना करता हूं कि भक्त की आत्मा को भगवान मुरुगन के चरणों में शांति मिले।

पंजाब में धर्म परिवर्तन पर अमित शाह ने जताई चिंता

■ भगवंत मान सरकार से की रोकने की अपील

मुम्बई (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नवी मुंबई के खारघर में आयोजित 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम में शिरकत की। यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के मौके पर रखा गया था। इस दौरान अमित शाह ने पंजाब में हो रहे धर्म परिवर्तन पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने भगवंत मान सरकार और पंजाब के आम लोगों से अपील की कि वे लालच से प्रेरित इस प्रथा को तुरंत रोकें।शाह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। उन्होंने बहुत अत्याचार सहे लेकिन कभी झुके नहीं। गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि अगर आज हम किसी लालच में आकर अपना धर्म बदलते हैं, तो हम अपने महान गुरुओं के सच्चे अनुयायी नहीं कहला सकते। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और वहां के हर धर्म के लोगों को मिलकर इस धर्म परिवर्तन को रोकना चाहिए। अपने संबोधन में शाह ने कहा, अगर गुरु तेग बहादुर ने हिंदू धर्म को बचाने के लिए अपनी कुबार्नी न दी होती, तो आज दुनिया में एक भी हिंदू नहीं बचता। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले कुछ लोगों ने उनके इस बयान पर आपत्ति जताई थी, लेकिन यह एक ऐसा सच है जिसे सबको मान लेना चाहिए।इतिहास का जिक्र करते हुए शाह ने बताया कि जब मुगल शासक औरंगजेब के समय कश्मीरी पंडितों पर जुल्म हुए, तब उन्होंने गुरु तेग बहादुर से मदद मांगी थी। गुरु ने औरंगजेब को चुनौती दी थी कि अगर वह उनका धर्म बदल सका, तो बाकी सब भी बदल लेंगे। औरंगजेब ने इसे चुनौती माना और गुरु के साथियों को मार डाला। इसके बावजूद गुरु तेग बहादुर अडिग रहे और अंत में खुद को कुर्बान कर दिया। उनके इस बलिदान ने हिंदुओं को अपनी लड़ाई जारी रखने की हिम्मत और प्रेरणा दी।

केजरीवाल बोले: कोर्ट का फैसला भाजपा के मुंह पर तमाचा: मोदी खुद केस की मॉनिटरिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला भारतीय जनता पार्टी के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर रविवार को एक रैली में कहा कि AAP को खत्म करने के लिए मोदी जी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने मोदी और शाह पर 4 साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। शराब घोटाले के में बरी होने के बाद इस रैली का आयोजन किया गया था। उन्होंने रैली में शराब घोटाले केस में कोर्ट के फैसले की तारीफ की। उन्होंने इसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश के लोगों के पक्ष में बताया। BJP नेताओं ने मुझपर 100 करोड़ रुपए लेने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, लेकिन अदालत ने कहा कि केस फर्जी है। अदालत का फैसला मोदी, अमित शाह और BJP के लिए करारा जवाब है। AAP को खत्म करने के लिए खुद प्रधानमंत्री इस केस की निगरानी कर रहे थे। IIT से पढ़ाई के बाद मैं अमेरिका जा सकते थे, लेकिन देश सेवा के लिए भारत में ही रहा। इनकम टैक्स विभाग में नौकरी के दौरान मैंमे रिश्वत लेने से मना किया और ईमानदारी से काम किया। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी मेरे खिलाफ कई जांच कराई गईं, लेकिन कुछ साबित नहीं हुआ। कांग्रेस और BJP दोनों ने 12 साल में देश को अच्छी सड़कें, पानी और बेहतर व्यवस्था नहीं दी। रेलवे, एयरलाइंस, बैंक और शिक्षा व्यवस्था खराब हो गई है। दिल्ली के पूर्व सीएम और AAP नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में शनिवार को पूजा की।

इस्त्राइल-ईरान युद्ध के बीच पीएम मोदी ने बुलाई सीसीएस की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजधानी दिल्ली लौटने के बाद कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, वह अपने दो दिवसीय दौरे से करीब रात 9:30 बजे दिल्ली पहुंचने वाले हैं।सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब रात 9:30 बजे दो दिवसीय दौरे से दिल्ली पहुंचेंगे और उसके तुरंत बाद CCS बैठक करेंगे। इस बैठक में ईरान पर अमेरिका और इस्त्राइल के हमलों के बाद पैदा हुए संकट, क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और भारत के रणनीतिक हितों पर चर्चा होगी। वरिष्ठ सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े अधिकारी इसमें शामिल होंगे।बैठक में पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों, खासकर यूएई और आसपास के इलाकों में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा। सरकार वहां फंसे भारतीयों की स्थिति, संभावित निकासी योजना और दूतावासों द्वारा जारी एडवाइजरी की समीक्षा करेगी।

अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर 24 घंटे में 1200 बम गिराए

:सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत, बेटी-दामाद, बहू-पोती भी मारी गईं

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल और अमेरिका ने पिछले 24 घंटे में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। इजराइली वायुसेना ने यह जानकारी दी है। इन हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। खामेनेई के ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी तसनीम और फार्स ने इसकी पुष्टि की। इधर ईरानी सेना ने कहा कि वह सबसे खतरनाक अभियान की शुरूआत करने जा रही है। ईरान ने इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के कई देशों में हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल में एक हमले में 8 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया। हमलों से अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। ईरान ने भी देशों पर जवाबी हमले किए थे। वहीं, खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा, हमने एक महान नेता खो दिया है और पूरा देश शोक मना रहा है। अयातुल्ला अली खामेनेई का जन्म 19 अप्रैल 1939 को ईरान के धार्मिक शहर मशहद में एक मौलवी परिवार में हुआ था। वे खोमैनी शाह की नीतियों के खिलाफ थे और इस्लामी शासन की वकालत करते थे। 1963 में शाह के खिलाफ भाषण देने पर उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। धीरे-धीरे वे सरकार विरोधी आंदोलन का बड़ा चेहरा बन गए और खोमैनी के भरोसेमंद सहयोगी माने जाने लगे। 1979 में ईरान में इस्लामी क्रांति हुई और शाह की सरकार गिर गई। खोमैनी देश लौटे और नई इस्लामी सरकार बनाई। खामेनेई को क्रांतिकारी परिषद में जगह मिली और बाद में उप रक्षामंत्री बनाया गया।

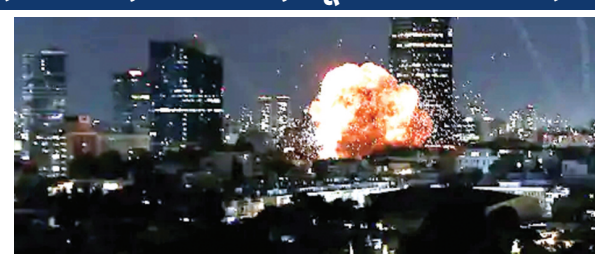

ईरान का पलटवार- इजराइल समेत 9 देशों पर हमला

अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के 9 देशों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व वअए में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने वअए के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया। ईरान ने दुबई के पाम होटल एंड रिसोर्ट और बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला किया। इसके अलावा बहरीन में कई रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया।

पश्चिम बंगाल में 50 लाख घुसपैठिए वोटर लिस्ट से हटाए

भाजपा अध्यक्ष का दावा: ये देश की सुरक्षा के लिए खतरा, इन्हें बाहर करने का समय आया

कूच बिहार (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में भाजपा की परिवर्तन यात्रा की शुरूआत की। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए नवीन ने दावा किया कि बंगाल में 50 लाख से ज्यादा घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाया गया है। पश्चिम बंगाल में एक दिन पहले ही स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) के बाद जारी वोटर लिस्ट से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं। नवीन ने आरोप लगाया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, वे घुसपैठिए थे और वे असली नागरिकों के लिए बनी सरकारी नौकरियों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे। ये लोग न सिर्फ असली नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे थे, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा थे। घुसपैठियों के लिए हमारा संदेश है कि अब समय आ गया है कि उन्हें बंगाल की धरती से बाहर किया जाए। हमें न सिर्फ घुसपैठियों को हटाना है, बल्कि एक मजबूत सरकार भी बनानी है जो विकास ला सके भाजपा अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज दिलाकर उन्हें संरक्षण दिया। ममता बनर्जी ने वोटर लिस्ट में शामिल घुसपैठियों को बचाने के लिए अदालतों का रुख किया, क्योंकि वे उनका वोट बैंक हैं। लेकिन जब महिलाओं का अपमान होता है, तो दीदी चुप रहती हैं। राज्य को भ्रष्ट टीएमसी सरकार से मुक्त कराने की जरूरत है, जो सिर्फ घुसपैठियों के लिए काम करती है। ममता दीदी, क्या आपने इसी सोनार बांग्ला का सपना दिखाया था, जहां सिर्फ भ्रष्टाचार हो, अराजकता हो और यहां के लोगों का शोषण हो। अब यहां का युवा बहुत परेशान हो चुका है। इन सभी का हिसाब लेने के लिए ही यह परिवर्तन यात्रा निकल रही है। जिस वंदे मातरम् के गान से पूरा देश आजाद हुआ, आज जब हम उसकी 150वीं जयंती मनाते हैं, तो टीएमसी के सांसद संसद में उसे रोकते हैं। जिस वंदे मातरम् ने पूरे देश को आजादी दिलाई, उसी वंदे मातरम् का टीएमसी के सांसद अपमान करते हैं। ममता दीदी, वंदे मातरम् ने अंग्रेजों से आजादी दिलाई थी, और अब वही वंदे मातरम् की गूंज बंगाल को आपकी अराजकता से आजाद करेगी और बंगाल को मुक्ति दिलाएगी। आज की ये यात्रा जो 5,000 किलोमीटर से अधिक की होगी और बंगाल के घर घर तक जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

होलीः आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। बुरा न मानो होली है का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मर्यादा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है।

(लेखक - ललित गर्ग)

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मर्यादा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें।

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है-विविधता में एकता।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें।

आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। 卐बुरा न मानो होली है卐 का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मर्यादा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। 卐नया भारत卐 और

卐विकसित भारत卐 की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं।

नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मर्यादा का उल्लंघन नहीं, मर्यादा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

एक नई जंग, मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव

अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया, जिसके जवाब में ईरान ने भी इजरायल और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। लेबनान के हिजबुल्ला और यमन के हाउती भी इसमें शामिल हो गए हैं। अमेरिका जिस तरह बीते कुछ दिनों से ईरान को चेतावनी देने के साथ ही उसकी घेरेबंदी कर रहा था, उससे ऐसा लगता था कि उसका उद्देश्य उससे वार्ता कर उसे इसके लिए बाध्य करना भर है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम का परित्याग कर दे, लेकिन उससे बातचीत के बीच ही उसने इजरायल संग उस पर हमला बोल दिया। इसके जवाब में ईरान ने भी इजरायल के साथ ही पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उसका साथ देने के लिए लेबनान के हिजबुल्ला और यमन के हाउती भी आगे आ गए हैं। इसका परिणाम ईरान पर इजरायल एवं अमेरिका के हमले और तेज होने के रूप में ही सामने आएगा। इससे आपसी मतभेदों के दौर से गुजर रहे अरब जगत के साथ-साथ पश्चिम एशिया और अस्थिर तो होगा ही, तेल के दाम भी बढ़ सकते हैं। इसके साथ ही विश्व शांति के लिए और गहरा संकट पैदा हो सकता है। इसलिए और भी, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरानी जनता से अपनी सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील करते हुए कहा है कि लक्ष्य पूरा होने तक अमेरिका रुकेगा नहीं। ट्रंप का लक्ष्य केवल ईरान के परमाणु हथियार बनाने वाले तंत्र को ध्वस्त करना ही नहीं, बल्कि वहां सत्ता परिवर्तन करना भी है। इसीलिए ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई के आवास पर भी हमले किए गए। यह जंग ऐसे समय शुरू हुई है, जब रूस-यूक्रेन युद्ध चार साल बाद भी जारी है और पिछले दिनों अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान में भी युद्ध छिड़ गया। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच का सैन्य संघर्ष कहीं अधिक व्यापक असर वाला हो सकता है। इससे भारत भी प्रभावित होगा। उसके समक्ष न केवल पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में रह रहे लाखों भारतीयों को निकालने की चुनौती पैदा हो सकती है, बल्कि महंगे कच्चे तेल की खरीदारी की बाध्यता भी। यह भी तय है कि इस जंग में वह किसी भी पक्ष के साथ खड़ा नहीं दिखना चाहेगा।

गुलाल में घुली संवेदनाएं, सावधानी में छिपी खुशियां

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- संयम और सुरक्षा के संग मनाएं रंगोत्सव

(होली पर विशेष)

रंगों के त्यौहार होली पर भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा, जो आपसी द्वेषभाव भुलाकर रंग-बिरंगे रंगों में रंग जाना नहीं चाहेगा। लोग एक-दूसरे पर रंग डालकर, गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं लेकिन होली के दिन प्राकृतिक रंगों के बजाय चटकीले रासायनिक रंगों का बढ़ता उपयोग चिंता का सबब बनने लगा है। ज्यादातर रंग अम्लीय अथवा क्षारीय होते हैं, जो व्यावसायिक उद्देश्य से ही तैयार किए जाते हैं और थोड़ी सी मात्रा में पानी में मिलाने पर भी बहुत चटक रंग देते हैं, जिससे होली पर इनका उपयोग अंधाधुंध होता है। ऐसे रंगों का त्वचा पर बहुत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। शुष्क त्वचा वाले लोगों और खासकर महिलाओं व बच्चों की कोमल त्वचा पर तो इन रंगों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। अम्ल तथा क्षार के प्रभाव से त्वचा पर खुजलाहट होने लगती है और कुछ समय बाद छोटे-छोटे सफेद रंग के दाने त्वचा पर उभरने शुरू हो जाते हैं, जिनमें मवाद भरा होता है। यदि तुरंत इसका सही उपचार कर लिया जाए तो ठीक, अन्यथा त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियां भी पनप सकती हैं। घटिया क्वालिटी के बाजारू रंगों से एलर्जी, चर्म रोग, जलन, आंखों को नुकसान, सिरदर्द इत्यादि विभिन्न हानियां हो सकती हैं। कई बार होली पर बरती जाने वाली छोटी-छोटी असावधानियां भी जिंदगी भर का दर्द दे जाती हैं। इसलिए अगर आप अपनी होली को खुशनुमा और यादगार बनाना चाहते हैं तो कुछ विशेष बातों पर अवश्य ध्यान दें।

रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल करें। ज्यादातर बाजारू रंगों में इंजन ऑयल तथा विभिन्न घातक केमिकल मिले होते हैं, जिनका त्वचा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। होली खेलने से पहले चेहरे तथा पूरे शरीर पर सरसों अथवा नारियल का तेल या कोल्ड क्रीम अथवा सनस्क्रीन क्रीम लगा लें ताकि रोमछिद्र बंद हो जाएं और रंग त्वचा के ऊपरी हिस्से पर ही रह जाएं। इससे होली खेलने के बाद त्वचा से रंग छुड़ाने में भी आसानी होगी। होली खेलने से पहले बालों में अच्छी तरह तेल लगा लें और नाखूनों पर कैस्टर ऑयल लगाएं ताकि बाद में रंग आसानी से छुड़ाया जा सके। होली खेलने जाने से पूर्व आंखों में गुलाब जल डालें और जहां तक संभव हो, आंखों पर चश्मा लगाकर होली खेलें ताकि रंगों का असर आंखों पर न पड़ सके।

महिलाएं होली खेलते समय मोटे तथा ढ़ीले-ढ़ाले सूती तथा गहरे रंग के वस्त्र पहनें।

सफेद अथवा हल्के रंग के वस्त्र पानी में भीगकर शरीर से चिपक जाते हैं, जिससे सार्वजनिक रूप से महिला को शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसा व्यवहार हरगिज न करें, जिससे आपके रिश्तेदारों, पति के मित्रों अथवा अन्य पुरूषों को आपसे छेड़छाड़ करने का अनुचित अवसर मिल सके। अपना व्यवहार पूर्णतः संयमित, शालीन और मर्यादित रखें और सामने वाले की कोई गलत हरकत देखने के बाद भी उस पर मौन साधकर उसे और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित न करें। होली खेलने के तुरंत बाद स्नान अवश्य करें लेकिन त्वचा से रंग छुड़ाने के लिए कपड़े धोने के साबुन, मिट्टी के तेल, चूने के पानी, दही, हल्दी इत्यादि का प्रयोग हानिकारक है। चेहरे पर लगे गुलाल को सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें और रंग लगा हो तो नारियल तेल में रूई डुबोकर अथवा क्लींजिंग मिल्क से हल्के हाथ से त्वचा पर लगा रंग साफ करें।

रंग छुड़ाने के लिए नहाने के पानी में थोड़ी सी फिटकरी डाल लें और ठंडे पानी से ही स्नान करें। गर्म पानी से रंग और भी पक्के हो जाते हैं। डिटर्जेंट सोप के बजाय नहाने के अच्छी क्वालिटी के साबुन का उपयोग किया जा सकता है। स्नान के बाद भी त्वचा पर खुजली या जलन महसूस हो तो गुलाब जल में ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं। बालों से रंग छुड़ाने के लिए बालों को शैम्पू करें। स्नान के बाद आंखों में गुलाब जल डालें। होली खेलते समय यदि आंखों में रंग चला जाए अथवा आंखों में जलन महसूस हो तो आंखों को मलें नहीं बल्कि तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें।

होली केवल रंगों की चहल-पहल नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं की गहराई को स्पर्श करने वाला उत्सव है। यदि हमारे उत्साह में असावधानी घुल जाए और उससे किसी की त्वचा, आंखों या पर्यावरण को क्षति पहुंचे तो उत्सव की आत्मा ही आहत हो जाती है। इसलिए होली का सच्चा आनंद तभी है, जब उसमें सजगता और संवेदनशीलता का समावेश हो। बाजार में मिलने वाले रासायनिक रंग क्षणिक चमक अवश्य देते हैं परंतु वे त्वचा रोग, एलर्जी और जल स्रोतों के प्रदूषण जैसी समस्याओं को जन्म देते हैं। होली के बाद बहता रंगीन पानी नालियों से होता हुआ नदियों और मिट्टी तक पहुंचता है, जहां वह पारिस्थितिक संतुलन को प्रभावित करता है। इसके विपरीत, प्राकृतिक और हर्बल रंग न केवल सुरक्षित होते हैं बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य भी स्थापित करते हैं। होली का वास्तविक सौंदर्य संयम, मर्यादा और सावधानी में निहित है। आइए, इस होली हम ऐसा संकल्प लें कि हमारे रंग किसी के लिए कष्ट का कारण न बनें। प्राकृतिक रंगों को अपनाकर, स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा कर हम इस पर्व को सचमुच प्रेम, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक बना सकते हैं। यही होगी एक सच्ची, सुरक्षित और स्वर्णिम होली।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' पुस्तक के लेखक हैं)

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

चिंतन मनन

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है मैं। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्रबाहु को पराजित होना पड़ा।

रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा।

पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मन?स्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

विचार मंथन

एसआईआर संवैधानिक या असंवैधानिक?

(लेखक- सनत जैन)

- मतदाता सूची शुद्धिकरण में सुप्रीम कोर्ट की साख?

पश्चिम बंगाल के इलेक्शन कमीशन द्वारा 28 फरवरी को जारी की गई फाइनल वोटर लिस्ट ने राज्य की सियासत में हलचल मचा दी है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद प्रकाशित इस सूची में कई जिलों से लाखों नाम हटा दिए गए हैं। मतदाता सूची से नाम कटने के बाद राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम मतदाताओं के बीच भारी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। बड़े पैमाने पर पश्चिम बंगाल में विरोध शुरू हो गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल के 7 करोड़ से अधिक मतदाताओं का सत्यापन चुनाव आयोग द्वारा कराया गया है। बांकुरा जिले में पहले लगभग 30.33 लाख मतदाता दर्ज थे। ड्राफ्ट रोल के बाद मतदाताओं की संख्या घटकर करीब 29 लाख रह गई। अंतिम सूची में लगभग सवा लाख नाम और कम हो गए हैं। वहीं सीमावर्ती नाडिया जिले में भी लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग कर दिए गए हैं। यह मतदाता पिछले कई चुनाव से मतदान करते आ रहे थे। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में करोड़ों नाम हटाए जा रहे हैं। मतदाता सूची के इन आंकड़ों ने सवाल खड़ा कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय पर जो निर्देश चुनाव आयोग को दिए गए थे, उनका पालन चुनाव आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा क्यों नहीं किया गया? जिन दस्तावेजों को स्वीकार किया जाना था, वह स्वीकार नहीं किए गए। सॉफ्टवेयर की सहायता और माइक्रो ऑब्जाबर की रिपोर्ट पर मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। एक विशेष वर्ग के मतदाताओं के नाम सबसे ज्यादा हटाए गए हैं। इस तरह के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग के सेंट्रल सिस्टम के सॉफ्टवेयर से नाम हटाए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर फिर से एक नया विवाद शुरू हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर न्यायिक अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं, लेकिन जिस तरह से मतदाता सूची को लेकर विवाद बना हुआ है, इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी गई है। चुनाव आयोग की इस कार्यवाही से पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों और मतदाताओं में तीव्र उग्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से एसआईआर का यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अभी तक इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अंतिम फैसला नहीं हो पाया है। चुनाव आयोग को एसएसआई करने का या नागरिकता तय करने का संवैधानिक अधिकार है,या नहीं। इस बात का आज तक फैसला नहीं हुआ। इसके बाद भी बिहार में विधानसभा के चुनाव हो गए। केंद्रीय चुनाव आयोग जिस तरह से चुनाव कराना चाहता था, उस तरह से वह चुनाव कराने में सफल रहा। चुनाव के दौरान कोई भी निष्पक्षता और पारदर्शिता का पालन चुनाव आयोग द्वारा नहीं किया गया। यह भी कई सुनवाई में साबित हो गया है। अब बिहार के तरह की स्थिति पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रही है। जो मतदाता सूची प्रकाशित हुई है। इसके राजनीतिक प्रभाव भी दूरगामी होंगे। विपक्षी दलों का आरोप है, बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने से नागरिकों के मत का संवैधानिक अधिकार खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता की कमी है। सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई कुछ याचिकाओं में स्पष्ट रूप से सबूत के साथ गड़बड़ियों का उल्लेख भी किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और निर्देशों का पालन चुनाव आयोग द्वारा नहीं किया गया है। चुनाव आयोग का कहना है, एसआईआर का उद्देश्य फर्जी, दोहरे या अपात्र मतदाताओं के नामों को हटाकर मतदाता सूची को शुद्ध और विश्वसनीय बनाना है। पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक बयानबाज़ी शुरू हो गई है। जो इस बात का संकेत है, मामला केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि जनभावना और नागरिकता के मौलिक अधिकार से जुड़ा हुआ है। चुनाव आयोग द्वारा जल्द विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी करने की चर्चा तेज है। चुनाव आयोग ने जिस तरह से बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के बीच चुनाव अधिसूचना जारी कर चुनाव करा दिए, यदि यही प्रक्रिया चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में अपनाएगा, तो इसके भीषण परिणाम भी देखने को मिले सकते हैं। तब से अब तक काफी पानी बह गया है। लोकतंत्र की बुनियाद मतदाता सूची की शुद्धता पर टिकी होती है। यदि सूची में त्रुटि है, जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची में थे, उनके नाम जबरिया हटा दिए जाते हैं तो इससे चुनाव की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होगी, तो मतदाताओं और राजनीतिक दलों का विश्वास डगमगाता है। आवश्यक है, जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें दावा-आपत्ति की स्पष्ट और सुलभ प्रक्रिया उपलब्ध कराई जाए। अधिकांश मतदाता रोज कमाने और खाने वाले होते हैं। वे पढ़े-लिखे भी नहीं होते हैं। ऐसी स्थिति में छोटी मोटी स्पेलिंग की त्रुटि या निवास स्थान में परिवर्तन इत्यादि को लेकर यदि नाम काटे जाते हैं, तो संविधान ने आम आदमी को बिना भेदभाव के मतदान का जो अधिकार दिया है, वह संवैधानिक अधिकार खत्म होता है। होना तो यह चाहिए था, चुनाव आयोग को एसआईआर कराने का अधिकार है, या नहीं।

मारुति की फरवरी में बिक्री बढ़कर 2,13,995 इकाई पर

- पिछले साल फरवरी में कंपनी ने 1,99,400 वाहन बेचे थे

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की फरवरी में कुल बिक्री 7.32 प्रतिशत बढ़कर 2,13,995 इकाई हो गई। इससे पिछले साल फरवरी में कंपनी ने 1,99,400 वाहन बेचे थे। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में उसकी कुल यात्री वाहनों की बिक्री थोड़ी बढ़कर 1,61,000 इकाई हो गई, जबकि फरवरी, 2025 में यह 1,60,791 इकाई थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो वाले मिनी कार खंड की बिक्री मामूली बढ़कर 10,238 इकाई हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 10,226 इकाई थी। हालांकि, बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर जैसे कॉम्पैक्ट कार खंड की बिक्री पिछले महीने घटकर 66,386 इकाई रह गई, जो फरवरी, 2025 में 72,942 इकाई थी। दूसरी ओर ब्रेजा, अर्टिगा, ई-विटारा, फ्रॉन्क्स, ग्रैंड विटारा, इनविक्टो, जिम्नी, विक्टोरिस और एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री एक साल पहले के 65,033 इकाई के मुकाबले बढ़कर 72,756 इकाई हो गई। कंपनी ने कहा कि हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री एक साल पहले के फरवरी के आंकड़े 2,710 इकाई से बढ़कर 3,130 इकाई रही।फरवरी, 2026 में कंपनी का कुल निर्यात पिछले साल इसी महीने के 25,021 इकाई के मुकाबले 39,155 वाहन रहा।

फरवरी में एमएंडएम की बिक्री 18 फीसदी बढ़कर 97,177 इकाई रही

नई दिल्ली । महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने रविवार को बताया कि फरवरी 2026 में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 97,177 इकाई हो गई। एमएंडएम ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में यूटिलिटी वाहनों (यूवी) की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 60,018 इकाई रही, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 50,420 इकाई थी। कंपनी ने बताया कि पिछले महीने वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री 24,585 इकाई रही। इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वाहन खंड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कि फरवरी का प्रदर्शन पूरे पोर्टफोलियो में ग्राहकों की मजबूत मांग को दर्शाता है। पिछले महीने कुल निर्यात 11 प्रतिशत बढ़कर 3,384 इकाई रहा, जो फरवरी 2025 में 3,059 इकाई था।

कोल इंडिया की इकाई छत्तीसगढ़ की महिलाओं को बना रही है आत्मनिर्भर

- छत्तीसगढ़ के केनापारा इको-टूरिज्म पार्क में बोट चलाकर कमाती हैं अपनी रोज़ी-रोटी

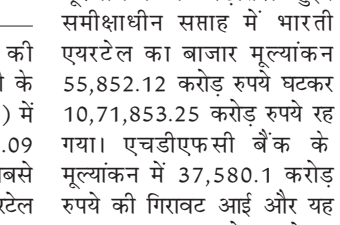

बिश्रामपुर । सूरजपुर जिले की 30 वर्षीय पूजा साहू अब अपने पति के नाम से नहीं जानी जातीं। उन्हें लोग बोटिंग वाली दीदी कहते हैं। यह नई पहचान उन्हें मजबूती और आर्थिक आजादी का एहसास कराती है। साहू कहती हैं, मुझे गर्व होता है कि अब मेरी अपनी पहचान है। लोग मुझे बोटिंग वाली दीदी कहते हैं और यह आजादी जैसा लगता है। साहू छत्तीसगढ़ के केनापारा इको-टूरिज्म पार्क में बोट चलाकर अपनी रोज़ी-रोटी कमाती हैं। यह पार्क साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा खनन क्षेत्र को एडवेंचर हब में बदलकर विकसित किया गया है। पार्क में 1,472 हेक्टेयर क्षेत्र में बोटिंग, तैरता हुआ रेस्तरां और मछली पालन की सुविधाएं हैं। साहू शिव शक्ति महिला ग्राम संगठन की 12 महिलाओं में से एक हैं। वे रोज़ाना लगभग 200 रुपये कमाती हैं और अपनी पसंद का खाना व कपड़े खरीद सकती हैं। उनका संदेश है कि अपना घर छोड़ो और वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनो। एसईसीएल के अनुसार यह पार्क यह दिखाता है कि खनन के बाद क्षेत्र को टिकाऊ जीवनयापन और रोज़गार के अवसरों में बदला जा सकता है।

महंगे सोने ने बदली ज्वेलरी की प्राथमिकताएं, 18 कैरेट सोने की मांग बढ़ी

- युवा ग्राहक ट्रेंडी डिज़ाइन और हल्के गहनों की ओर हो रहे हैं आकर्षित

नई दिल्ली ।

देश में सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे पारंपरिक 22 कैरेट सोने की मांग पर असर पड़ा है। ग्राहक अब केवल निवेश के रूप में सोना नहीं बल्कि पर्सनल स्टाइल और पहचान के लिए ज्वेलरी चुन रहे हैं। इस बदलाव के चलते 22 कैरेट के भारी गहनों की तुलना में 18 कैरेट सोने की मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार 18 कैरेट सोने की कीमत 22 कैरेट की तुलना में 15-20 प्रतिशत कम होने के कारण बजट पर दबाव कम करती है। सिर्फ सस्ता विकल्प न रहकर चांदी और स्टर्लिंग सिल्वर अब फैशन की पहचान बन गए हैं। युवा ग्राहक ट्रेंडी डिज़ाइन और हल्के गहनों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बढ़ती कीमतों के बावजूद चांदी निवेशकों के लिए भी आकर्षक विकल्प बन रही है। पिछले एक साल में चांदी ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिए हैं, जिससे इसे सुरक्षित और लाभकारी निवेश के तौर पर देखा जाने लगा है। डायमंड ज्वेलरी की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है। हालांकि

फिलहाल यह शुरुआती चरण में है, लेकिन युवा वर्ग के बीच इसका स्टाइल और पहचान के लिए आकर्षण बढ़ रहा है। इसे रोजमर्रा में पहनने के लिए हल्के और मॉडर्न डिज़ाइन में अधिक मांग दिखाई दे रही है। महंगे सोने ने ग्राहकों की प्राथमिकताओं को बदल दिया है। अब बाजार में बजट-अनुकूल विकल्प, स्टाइलिश डिज़ाइन और निवेश क्षमता तीनों का संतुलन देखने को मिलता है। ग्राहक केवल सोने को निवेश नहीं बल्कि रोजमर्रा में पहनने योग्य, हल्का और फैशनेबल विकल्प भी मान रहे हैं।

इजरायल-अमेरिका का ईरान पर हमले से भारतीय बाजार में बढ़ा जोखिम

- भारत के लिए सबसे बड़ा जोखिम क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतें

मुंबई । इजरायल और अमेरिका ने संयुक्त रूप से ईरान के कई शहरों पर सैन्य हमला किया। तेहरान में तबाही के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। इस अचानक हुए हमले के चलते वैश्विक बाजारों में घबराहट फैल सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के लिए सबसे बड़ा जोखिम क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतें हैं। मिडिल ईस्ट तनाव के चलते सप्लाई प्रभावित हो सकती है, जिससे तेल महंगा होगा। महंगा क्रूड आयात भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकता है, महंगाई बढ़ सकती है और पेट्रोल-डीजल की कीमतें उछाल सकती हैं। क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी से कई सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां जैसे आईओसी, बीपीसीएल, एचपीसीएल मार्जिन दबाव में आ सकते हैं। एयरलाइंस का ईंधन खर्च बढ़ेगा, जबकि पेंट कंपनियां जैसे ऐशियन पेंट और बर्गर पेंट कच्चे माल की महंगाई का सामना करेंगी। टायर कंपनियों को भी सिंथेटिक रबर महंगा होने से नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय बाजार में वोलेटिलिटी बढ़ सकती है।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में किया 22,615 करोड़ का निवेश

- फरवरी में 17 महीने का उच्चतम निवेश, इससे पहले एफपीआई लगातार तीन माह बिकवाल रहे

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी 2026 में भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये निवेश किए, जो 17 महीने का उच्चतम मासिक प्रवाह है। इससे पहले एफपीआई लगातार तीन माह बिकवाल रहे थे- नवंबर 2025 में 3,765 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और जनवरी 2026 में 35,962 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। 2025 में कुल शुद्ध निकासी 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) रही, जो इतिहास के सबसे खराब वर्षों में से एक थी। विशेषज्ञों का कहना है कि फरवरी में निवेश बढ़ने के पीछे तीन मुख्य कारण हैं- भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार करार से भरोसा बढ़ना, घरेलू शेयर बाजार का मूल्यांकन कम होना जिससे निवेशकों को सस्ती खरीदारी का अवसर मिला और तीसरी तिमाही में कंपनियों की कमाई 14.7 फीसदी बढ़ी जिससे एफपीआई का भरोसा मजबूत हुआ। एफपीआई ने फरवरी में वित्तीय सेवा और पूंजीगत सामान क्षेत्र में आक्रामक खरीदारी की, जबकि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से 10,956 करोड़ रुपये की निकासी हुई। बाजार के जानकारों के मुताबिक आईटी क्षेत्र में कमजोरी और कृत्रिम मेध (एआई) से जुड़ी चिंताओं के कारण बिकवाली हुई, लेकिन वित्तीय सेवा और पूंजीगत सामान में वे शुद्ध खरीदार रहे।

सोयाबीन और मूंगफली तेल के दाम सुधरे, पाम तेल में गिरावट जारी

सरकार से सोयाबीन की तरह एमएसपी अंतर का भुगतान किसानों को करने की मांग

नई दिल्ली ।

सरसों की नई फसल की आवक बढ़ने से भाव दबाव में है। कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि उत्पादन इस साल बढ़ेगा। सरकार से आग्रह किया गया है कि सोयाबीन की तरह एमएसपी अंतर का भुगतान किसानों को किया जाए। इससे सरसों का भाव टूटने और कारोबारियों की मनमानी रोकने में मदद मिलेगी। सरकार को 20-25 लाख टन स्टॉक बनाने पर विचार करना चाहिए। सोयाबीन तेल-तिलहन और मूंगफली तेल-तिलहन में कम आवक और अच्छी मांग के कारण दाम में सुधार हुआ। बिनौला तेल के दाम भी सप्ताहांत में सुधरे। वहीं मलेशिया एक्सचेंज में गिरावट और पाम-पाल्मोलिन तेल की कम कीमत बनी रही। सरकार ने आयात शुल्क बढ़ाकर कच्चा पामतेल 26 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन 124 रुपये प्रति क्विंटल और सोयाबीन डीगम 15 रुपये प्रति क्विंटल। यह घरेलू तेल बाजार को स्थिर करने का प्रयास है। ईरान पर हमले की खबर के बाद आपूर्ति चिंताओं के कारण भी सोयाबीन तेल-तिलहन में तेजी को मदद मिली। उन्होंने कहा कि उपलब्धता में कमी की तथा अच्छी गुणवत्ता के मूंगफली दाने और खाद्य तेल की मांग होने के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार देखा गया। सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह मलेशिया एक्सचेंज में अधिकतम गिरावट का रुख रहने के बीच पाम-पामोलीन तेल के दाम में गिरावट देखी गई। वैसे ईरान पर हुए हमले के बाद आपूर्ति की स्थिति तथा इस तेल के दाम के बारे में अंदाजा सोमवार के कामकाज से मिल सकता है। उन्होंने कहा कि कम आवक और मांग होने के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। मंडियों में कपास नरमा का दाम एमएसपी से 10-12 प्रतिशत नीचे है इस वजह से इसकी आवक प्रभावित है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,285-2,385 रुपये और 2,285-2,430 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,350-5,400 रुपये और 4,950-5,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन 50 रुपये के सुधार के साथ 7,000-7,475 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 15 रुपये के सुधार के साथ 2,690-2,990 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,775 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में बने भू-राजनैतिक तनाव पर रहेगी निवेशकों की नजर

आर्थिक आंकड़े और उद्योग रिपोर्टें भी निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली और आने वाले सप्ताह में निवेशकों की निगाहें पश्चिम एशिया में बने भू-राजनैतिक तनाव पर रहेंगी। 28 फरवरी की सुबह अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त सैन्य कार्रवाई करते हुए ईरान पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और अमेरिका के कुछ ठिकानों सहित पश्चिम एशिया के अन्य देशों पर हमले किए। निवेशक इस बात पर ध्यान देंगे कि क्षेत्रीय परिस्थितियां कैसे बदलती हैं और इन हमलों का वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा भारतीय बाजारों पर क्या असर होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की भू-राजनैतिक घटनाओं के कारण निवेशक जोखिम-से-विमुख रुख अपना सकते हैं। तेल की कीमतों में तेजी आने की संभावना है, जिससे ऊर्जा और पेट्रोलियम क्षेत्र के शेयर प्रभावित हो सकते हैं। वैश्विक बाजारों में दबाव बढ़ने की स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में भी नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। 27 फरवरी को जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण संकेत देंगे। इसके अलावा फरवरी के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े, जनवरी का औद्योगिक उत्पादन और वाहन बिक्री के आंकड़े आने वाले

सप्ताह में जारी होंगे। ये आंकड़े भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिति, उपभोक्ता मांग और उत्पादन गतिविधियों को दर्शाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार पर सबसे बड़ा दबाव भू-राजनैतिक तनाव का रहेगा। आर्थिक आंकड़े और उद्योग रिपोर्टें भी निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करेंगी, लेकिन उनका असर अधिकतर चयनित सेक्टरों तक सीमित रहेगा। निवेशक विशेष रूप से तेल, रक्षा, बैंकिंग और उपभोक्ता आधारित शेयरों पर नजर रखेंगे।

अगले हफ्ते दो कंपनियों के निवेशकों की लगेगी लॉटरी

- एनकेपी फाइनेंस और सिल्वर टच टेक ने अपनी रिकॉर्ड और एक्स-डेट 6 मार्च तय की

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में अगले हफ्ते निवेशकों के लिए खुशखबरी है। 6 मार्च को दो प्रमुख कंपनियां अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर जारी करेंगी। ये कंपनियां हैं एनकेपी फाइनेंस और सिल्वर टच टेक। बोनस शेयर आम तौर पर निवेशकों को रिवॉर्ड देने और शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए जारी किए जाते हैं। दोनों कंपनियों ने अपनी रिकॉर्ड और एक्स-डेट 6 मार्च तय कर दी है। फाइनेंस सेक्टर की कंपनी एलकेपी फाइनेंस ने 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि अगर निवेशक के पास 1 शेयर है, तो उसे 4 अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेंगे। इस तरह कुल शेयरों की संख्या पांच हो जाएगी। यह कदम निवेशकों के लिए लंबे समय में लाभदायक साबित हो सकता है क्योंकि शेयरों की संख्या बढ़ने से भविष्य में मिलने वाले डिविडेंड का पैसा भी बढ़ता है। आईटी सेक्टर की सिल्वर टच ने भी 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। यानी अगर किसी निवेशक के पास 1 शेयर है, तो उसे 1 और मुफ्त में मिलेगा। इसके लिए भी रिकॉर्ड और एक्स-डेट 6 मार्च निर्धारित किया गया है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में नौ का मार्केट कैप 2.18 लाख करोड़ घटा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।

पिछले सपताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,18,902.09 करोड़ की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,527.52 अंक या 1.84 प्रतिशत नीचे आया। शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 55,852.12 करोड़ रुपये घटकर 10,71,853.25 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के मूल्यांकन में 37,580.1 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 13,65,659.38 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 34,846.12 करोड़ रुपये घटकर 18,86,832.66 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 20,316.41 करोड़ रुपये घटकर 6,20,070.59 करोड़ रुपये पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 18,180.89 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 9,53,872.59 करोड़ रुपये रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 14,990.24 करोड़ घटकर 5,37,213.68 करोड़ रह गई। लार्सन एंड टुब्रो का बाजार पूंजीकरण 13,714.85 करोड़ घटकर 5,88,837.39 करोड़ रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 13,061.33 करोड़ घटकर 11,09,520.23 करोड़ रुपये पर आ गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 10,360.03 करोड़ घटकर 9,86,986.64 करोड़ पर आ गया। इस रुख के विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 5,462.81 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,393.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

वीओ चिदंबरनार बंदरगाह में 15,000 करोड़ निवेश करेगा

- बनेगा दक्षिण भारत का बड़ा ट्रांसशिपमेंट केंद्र

तूतीकोरिन ।

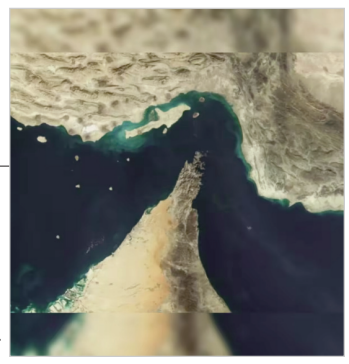

वीओ चिदंबरनार (वीओसी) बंदरगाह, जो तमिलनाडु के तूतीकोरिन में स्थित है, अपनी आउटर हार्बर परियोजना के लिए 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश बंदरगाह की मौजूदा ढांचा उन्नयन और नई तकनीक में किए गए 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से अलग है। परियोजना का लक्ष्य बंदरगाह को दक्षिण भारत का प्रमुख ट्रांसशिपमेंट केंद्र बनाना और श्रीलंका, सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे अंतरराष्ट्रीय केंद्रों से प्रतिस्पर्धा करना है। वर्तमान में बंदरगाह की वार्षिक माल ढुलाई क्षमता 8.2 करोड़ टन है। आउटर हार्बर परियोजना के तहत दो चरणों में 2027 और 2030 तक क्षमता में 40 लाख टन की वृद्धि होगी। योजना के अनुसार, 18 मीटर गहराई वाले दो नए बर्थ विकसित किए जाएंगे, जिन पर 2.5 लाख डीवीटी तक के बड़े माल ढुलाई जहाज ठहर सकेंगे। परियोजना के लिए वित्तपोषण सुनिश्चित करने हेतु वीओसी बंदरगाह ने भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) और सागरमाला फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के साथ त्रिपक्षीय करार किया है।

यह कदम बंदरगाह को नए निवेश और विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक कोष उपलब्ध कराने में सहायक होगा। बंदरगाह प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समुद्री क्षेत्र विकास दृष्टिकोण के अनुरूप है।

आउटर हार्बर परियोजना से बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रतिस्पर्धी बनाने और दक्षिण भारत में माल परिवहन एवं ट्रांसशिपमेंट के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद है।

होरमुज़ जलडमरूमध्य में तनाव चरम पर, वैश्विक तेल आपूर्ति पर खतरा

- हवाई हमलों के बाद बढ़ा तनाव, जनता की जेब पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली ।

अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हवाई हमलों और इसके जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया ने होरमुज़ जलडमरूमध्य में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। यह मार्ग खाड़ी देशों और भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों के लिए बेहद संवेदनशील है। आंशिक नाकाबंदी ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है, और कई टैंकरों ने रास्ता बदल दिया या लंगर डाल दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार बड़ी तेल कंपनियों और ट्रेडिंग हाउसेज ने सुरक्षा कारणों होरमुज़ मार्ग से कच्चा तेल, ईंधन और स्त्र्ल की ढुलाई रोक दी है। शिपिंग डेटा के मुताबिक, कम से कम 11 बड़े एनएनजी टैंकरों ने अपनी गति धीमी कर दी या वापस मुड़ गए। ओमान के तट के पास तेल टैंकरों की कतारें लग गई हैं, जिससे सप्लाई चेन बाधित हो रही है। भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश जैसे इराक, सऊदी अरब, यूएई और कुवैत इस मार्ग पर निर्भर हैं। अगर बाधा लंबी खिंचती है, तो भारत की रिफाइनरियों में कच्चे तेल का स्टॉक कम हो जाएगा। इससे आयात लागत बढ़ सकती है और लंबे समय में आम जनता की जेब और व्यापार घाटा प्रभावित हो सकता है। अमेरिकी नौसेना ने अरब खाड़ी, ओमान की खाड़ी और उत्तरी अरब सागर को सैन्य अभियान क्षेत्र घोषित किया है। ग्रीस और ब्रिटेन ने अपने जहाजों को होरमुज़ से दूर रहने की चेतावनी दी। इस स्थिति ने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर दिया है। जहाजों के पास केवल केप ऑफ गुड होप का लंबा मार्ग बचता है, जिससे 10-15 दिन की देरी, अधिक ईंधन खर्च और बढ़े हुए बीमा प्रीमियम का सामना करना पड़ता है। चार्टर और लॉजिस्टिक लागत बढ़ने से मालभाड़ा दरें भी बढ़ रही हैं। कार्गो मालिक फोर्स मेज्योर का सहारा लेकर समय पर डिलीवरी की जिम्मेदारी से बच रहे हैं। जीपीएस जामिंग और हवाई क्षेत्र बंद होने से चालक दल बदलाव और लॉजिस्टिक प्रबंधन भी कठिन हो गया है।

जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बनेगा एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस सेंटर

एमआरओ सुविधा के लिए सिंगापुर की कंपनी ने दिखाया निवेश रुचि

ग्रेटर नोएडा । उत्तर प्रदेश सरकार जेवर में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहालिंग (एमआरओ)सुविधा विकसित करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दौरान सिंगापुर की एसआईए इंजीनियरिंग कंपनी ने इस सुविधा में निवेश की इच्छा जताई। योजना के तहत 1365 हेक्टेयर भूमि पर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस के साथ-साथ एविएशन उद्योग की स्थापना होगी, जिससे बोइंग और एयरबस जैसे विमान और उनके पुर्जों का निर्माण भी संभव हो सकेगा। सिंगापुर और जापान दौरे के दौरान यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वायईआईडीए) ने कई एमओयू किए। जापान में भी जापानी कंपनियों ने वायईआईडीए क्षेत्र में निवेश में रुचि दिखाई। क्यबोटा, होंडा, मिंडा स्पार्क, डेंसो, डेबू, सुजुकी मोटर्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए क्षेत्र का दौरा करेंगे। वायईआईडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस और एविएशन उद्योग स्थापना से क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और निवेश भी आकर्षित होगा। एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही कार्रवाई शुरू की जाएगी। यह पहल उत्तर प्रदेश में एविएशन और लॉजिस्टिक सेक्टर को मजबूत करेगी और जेवर को एक प्रमुख औद्योगिक और एविएशन हब बनाने में मदद करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका का विजय रथ जारी, जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराकर सुपर 8 में अजेय

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए सुपर एट के अपने आखिरी मैच में जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने सुपर एट में अपनी अजेय बढ़त कायम की। 154 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए, प्रोटियाज टीम को पावरप्ले के अंदर ही शुरुआती तीन विकेट गंवाने के बाद मुश्किलों का सामना करना पड़ा। क्विंटन डी कॉक पहले ही ओवर में सिकंदर रजा के हाथों आउट हो गए। जिम्बाब्वे के कप्तान ने अगले ही ओवर में एडन मार्कराम को सिर्फ चार रन पर आउट करके फिर से झटका दिया। रायन रिकेल्टन ने कुछ बड़े शॉट खेले लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए। उन्होंने 22 गेंदों में 31 रन बनाए।

डेविड मिलर क्रीज पर देवाल्ड ब्रेविस के साथ शामिल हुए और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़े, लेकिन ब्लेसिंग मुजरबानी ने 10वें ओवर में उनकी साझेदारी तोड़ दी। मिलर ने 16 गेंदों में दो छक्के और दो चौकों की मदद से 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ब्रेविस ने चार छक्के और दो चौके लगाकर मात्र 18 गेंदों में 42 रन बनाए, लेकिन रजा के हाथों आउट हो गए। ट्रिस्टन स्टब्स (24 गेंदों में 21 रन नाबाद) और जॉर्ज लिंडे (21 गेंदों में 30 रन नाबाद) ने दक्षिण अफ्रीका को 13 गेंद शेष रहते हुए आसानी से जीत दिला दी।

जिम्बाब्वे लीग चरण में अपराजित रही, लेकिन सुपर एट में लगातार तीन हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया। इससे पहले, जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना और प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने के लिए संघर्ष किया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों, जिनमें क्वेना माफाका और एनरिच नॉर्त्जे शामिल थे, द्वारा शुरुआती विकेट लेकर जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया गया। कप्तान सिकंदर रजा ने 73 रनों की शानदार पारी खेलकर एकमात्र प्रतिरोध दिखाया।

जिम्बाब्वे ने पहली पारी के दूसरे ओवर में अपने सलामी बल्लेबाज तादिवानाशे मारुमानी का विकेट खो दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना माफाका ने जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज को मात्र सात रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। पांचवें ओवर की तीसरी गेंद पर, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्त्जे ने ब्रायन बेनेट को 13 गेंदों में 15 रन पर आउट कर दिया, जिसमें दो चौके शामिल थे। पावर प्ले समाप्त होने के बाद, जिम्बाब्वे का स्कोर 45/2 था। नौवें ओवर में, जॉर्ज लिंडे ने डियोन मायर्स को 16 गेंदों में 11 रन पर आउट कर दिया, जिसमें एक चौका शामिल था। 10वें ओवर की समाप्ति के बाद जिम्बाब्वे ने 80/3 का स्कोर बनाकर अच्छी स्थिति हासिल कर ली।

'हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं', दुबई में फंसी पीवी सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए बर्मिंघम जाते हुए दुबई हवाई अड्डे पर फंस गई हैं। सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया है। सिंदू ने बताय कि कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ था। हालांकि सिंधू और उनके इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा सुरक्षित हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण उड़ाने रद्द होने के बाद सिंधू और इरवांस्याह दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए हैं। टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होना है।

ईरान के मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी देशों के कुछ हिस्सों में धमाकों की खबरें आई हैं जिसमें संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबु धाबी और दुबई भी शामिल हैं। इसके बाद दुबई हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। सिंधू ने शनिवार रात सोशल मीडिया पर तनावपूर्ण पलों के बारे में विस्तार से बताया।

सिंधू ने 'एक्स' पर लिखा, 'मुश्किल बढ़ती जा रही है और हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं। कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ।' सिंधू ने लिखा, 'मेरे कोच को जल्दी से उस जगह से भागना पड़ा क्योंकि वह धुएं और मलबे के सबसे करीब थे। यह हम सभी के लिए बहुत तनावपूर्ण और डरावना पल था।' भारत के अधिकतर खिलाड़ी पहले ही बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन, युवा आयुष शेट्टी, गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। मालविका बंसोड़ भी पहुंच गई हैं लेकिन उन्नति हुड्डा अब भी भारत में हैं क्योंकि नई दिल्ली से बर्मिंघम के लिए उनकी सीधी उड़ान आखिरी समय में रद्द हो गई थी।

हीली ने विदायी मैच में लगाया शतक, भारतीय टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने करियर के अंतिम मैच में शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के इस मैच में हीली ने 79 गेंदों पर शतक लगाया। वहीं वहीं 98 गेंदों पर 158 रन का बनाकर वह पेवेलियन लौटी।अपनी पारी में हिली ने 27 चौके और दो छक्के लगाये। हीली के विदायी मैच में शतक को देखकर उनके पति मिचेल स्टार्क भी बेहद खुश नजर आये। हीली के शतक पूरा करते ही स्टार्क उत्साहित नजर आये।

भारतीय टीम ने इस तीसरे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो उन्होंने दो लाइन में खड़े होकर हीली को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। भारतीय टीम के इस रवैये की प्रशंसा हो रही है।

हीली ने जनवरी में ही सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। एकदिवसीय के बाद हीली 6 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दिन-रात के एकमात्र टेस्ट के दौरान अंतिम बार मैदान पर उतरेंगी। गौरतल है कि हीली ने फरवरी 2010 में 19 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और एकदिवसीय द्व में 3500 से ज्यादा रन बनाए हैं। टी20आई में उनके नाम 25.45 की औसत से 3054 रन दर्ज है, इस दौरान उनका सबसे अधिक स्कोर 148 नाबाद है, जो सदस्य टीमों में सबसे ज्यादा निजी स्कोर है। उन्होंने साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में महिला टीम 20 विश्व कप और 2013 और 2022 में एकदिवसीय विश्वकप जीता था। हीली 2018 और 2019 में क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर भी थीं।

आईसीसी ने जनवरी के प्लेयर ऑफ द मंथ का किया ऐलान, डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी को मिला सम्मान

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने जनवरी महीने के लिए पुरुष और महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान कर दिया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर डैरिल मिचेल का चयन किया गया, जबकि महिला वर्ग में बांग्लादेश की उभरती बल्लेबाज शोभना मोस्तारी को यह पुरस्कार मिला। दोनों खिलाड़ियों को महीने भर के शानदार और प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए आईसीसी ने सम्मानित किया।

डैरिल मिचेल ने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड को वनडे सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे होने के बाद मिचेल ने लगातार दो शतकों की बदौलत मैच का रुख बदल दिया। दूसरे वनडे में उनके 131 (नाबाद) रन और तीसरे वनडे में 137 रन की पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने निर्णायक मुकाबले में 337/8 का बड़ा स्कोर खड़ा किया और सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मिचेल ने पूरी सीरीज में कुल 352 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। उनके शानदार फॉर्म का असर रैंकिंग पर भी दिखा और उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजी सूची में फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया। टी20 सीरीज में भी मिचेल ने 5 मैचों में 186.56 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। इस पुरस्कार की दौड़ में उन्होंने भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया। महिला वर्ग में शोभना मोस्तारी ने आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले छह मैचों में 229 रन बनाए, जिसमें 45.80 का औसत और 145.85 की स्ट्राइक रेट शामिल रही। उनकी निरंतरता और आक्रामक अंदाज पूरे टूर्नामेंट में बांग्लादेश के लिए बड़ी ताकत साबित हुए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस और तारा नॉरिस जैसे खिलाड़ियों से आगे कर दिया। मोस्तारी की बल्लेबाजी की बदौलत बांग्लादेश टीम टूर्नामेंट में अजेय रही और सीधे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर गई। आईसीसी के इस ऐलान ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी है। डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी का यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम घोषित, लवलीना और निकहत संभालेंगी कमान

नई दिल्ली। भारत की दो शीर्ष महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन मंगोलिया में 28 मार्च से 11 अप्रैल तक होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने एक महीने की विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला स्थित राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया था, जहां चयन नीति के तहत उनके प्रदर्शन का आकलन किया गया। इस चैंपियनशिप के परिणामों के आधार पर राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता तय की जाएगी, इसलिए इस टूर्नामेंट का महत्व काफी बढ़ गया है। महिलाओं में मुख्य ज़िम्मेदारी लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) निभाएंगी, जिन्होंने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनके साथ स्वर्ण विजेता प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और प्रिया (60 किग्रा) को टीम में जगह मिली है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा होंगी। महिला टीम में अन्य महत्वपूर्ण मुक्केबाजों में शामिल हैं अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और हेवीवेट वर्ग में अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)। पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन (60 किग्रा), जिन्होंने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था।

श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुना शनाका ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी है। साथ ही कहा कि भाग्य के साथ नहीं देने के कारण वह अपनी धरती पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में असफल रहे। शनाका ने कहा कि वे पाकिस्तान के खिलाफ जीत सकते थे पर अंतिम क्षणों में विफल रहे। वह टीम के प्रदर्शन से भी निराश हैं, क्योंकि सात मैच इस टूर्नामेंट में श्रीलंका की टीम ने अपनी धरती पर खेले, जिनमें से वह केवल तीन ही जीत पायी। तीन मैच इसमें सुपर 8 के भी शामिल थे, जिसके कारण ही टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पायी। शनाका ने मैच के बाद कहा, बिल्कुल यह बहुत करीबी मैच था। मैं इसे फिनिश कर सकता था पर ऐसा नहीं हो पाया। पाक गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अच्छी गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम के अभ्यान को लेकर कहा, यह हमारे लिए कठिन रहा है। हां, हमें कुछ चोटें आईं। हमने दर्शकों को निराश किया। मैं सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहता हूं, क्योंकि, आप जानते हैं हम कई खिलाड़ियों के फिट नहीं होने से हारे। भविष्य में, अगर कोई चोट नहीं लगी, तो मुझे लगता है कि यह टीम बहुत अच्छा करेगी। हमें वानिंदू हसरंगा और पथिराना की कहा, उनकी कमी खली। विश्व कप के समय, आप जानते हैं, हमें अपने खिलाड़ियों की यहां जरूरत होती है और यह हमारी ताकत है। हमें उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये अच्छा है। वहीं आलोचकों के भड़कने पर शनाका ने कहा, कभी-कभी खिलाड़ी होने के नाते, हम भी दबाव महसूस करते हैं। ऐसे में यह मेरी गलती थी। मैं सभी प्रशंसकों को निराश करने के लिए माफी चाहता था। मैं वादा करूंगा कि मैं ऐसा दोबारा न करूं। उन्होंने पवन रथनायके के प्रदर्शन की भी प्रशंसा जिन्होंने सभी का ध्यान खींचा। कप्तान ने कहा, वह लगातार अच्छा कर रहा है और क्रीज का बहुत अच्छा इस्तेमाल कर रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये सकारात्मक संकेत है। इसके अलावा वेलालगे ने भी अच्छा खेला है। उम्मीद है, उनका भविष्य उज्ज्वल होगा।

टैलोन ग्रीक्सपूर के हटने से दानिल मेदवेदेव ने दुबई खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव ने शनिवार को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता, जब टैलोन ग्रीक्सपूर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण फाइनल से पहले हट गए। ग्रीक्सपूर को शुक्रवार को आंद्रेई रुब्लेव पर अपनी सेमीफाइनल जीत के दौरान चोट लगी थी।

डचमैन ने एक सर्व के बाद अजीब तरह से लैंड किया और, हालांकि उन्होंने सीधे सेटों में जीत हासिल की, वह चैंपियनशिप मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए, जिसके परिणामस्वरूप वॉकओवर हो गया। ट्रॉफी सेरेमनी के दौरान ग्रीक्सपूर ने कहा, 'मैं बेहतर हो गया हूं, यह पक्का है। बदकिस्मती से सेमीफाइनल के दौरान मुझे चोट लग गई। मैं आज सुबह हॉस्पिटल गया और कुछ स्कैन हुए, जिसमें कुछ सीरियस दिखा। इसकी वजह से मैं आज रात कोर्ट पर नहीं आ पाया और आने वाले हफ्तों में भी कोर्ट पर नहीं आ पाऊंगा।' यह टाइटल मेदवेदेव का 23वां टूर-लेवल क्राउन है और जनवरी में ब्रिस्बेन में जीतने के बाद 2026 सीजन का दूसरा क्राउन है। यह पहली बार भी है जब 30 साल के इस खिलाड़ी ने एक ही इवेंट दो बार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2023 में दुबई में जीत हासिल की थी। एटीपी लाइव रैंकिंग में नंबर 11 पर मेदवेदेव नंबर 10 अलेक्जेंडर बुब्लिक से सिर्फ 45 पॉइंट पीछे हैं, जबकि वह पिछले साल जून के बाद पहली बार टॉप 10 में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं। पहली बार एक ही इवेंट दो बार जीतने के बारे में पूछे जाने पर मेदवेदेव ने कहा, 'यही इसकी क्रेजी बात है। मैंने दुनिया के किसी भी शहर में ऐसा कभी नहीं किया, और पहली बार जब मैंने ऐसा किया, तो यह वॉकओवर के जरिए हुआ... हम हफ्ते की शुरुआत से पहले ही जानते थे, जिस तरह से मैं प्रैक्टिस कर रहा था, मैं एक भी बॉल मिस नहीं कर सकता था। हम जानते थे कि यह एक शानदार हफ़्ता होने वाला है। यह एक शानदार हफ़्ता था और मैं आने वाले अगले टूर्नामेंट्स का इंतज़ार कर रहा हूं।' हार्ड कोर्ट पर अपनी 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी के साथ मेदवेदेव ने एक्टिव खिलाड़ियों में नोवाक जोकोविच (72) के बाद, इस सरफेस पर दूसरे सबसे ज़्यादा जीत के मामले में वर्ल्ड नंबर 2 जैनिक सिनर की बराबरी कर ली। ग्रीक्सपूर दुबई में अपने करियर का चौथा और सबसे बड़ा एटीपी टूर टाइटल जीतने की कोशिश कर रहे थे, जहां उन्होंने इस हफ्ते टॉप 20 प्लेयर्स बुब्लिक, जैकब मेंसिक और रुब्लेव पर जीत दर्ज की। डचमैन की मेदवेदेव के साथ एकमात्र पिछली भिड़ंत पिछले साल दुबई में हुई थी, जब उन्होंने सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में यादगार चार मैच पॉइंट बचाए थे। मेदवेदेव अगली बार इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 में हिस्सा लेंगे, जहां वह दो बार के फाइनलिस्ट हैं।

सलमान अली आगा की कप्तानी पर संकट गहराया

- माइक हेसन रहे तो शादाब खान बनेंगे नए कप्तानः शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली । टी20 विश्व कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। सलमान अली आगा की कप्तानी में टीम बड़ी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी, और कप्तान का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। लगातार आलोचनाओं के बीच पाकिस्तान की टीम प्रबंधन और कप्तानी को लेकर बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने दावा किया है कि अगर कोच माइक हेसन अपना पद बनाए रखते हैं तो शादाब खान पाकिस्तान टीम के अगले कप्तान होंगे। अफरीदी के इस बयान ने पाकिस्तान क्रिकेट में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि शादाब खान और हेसन का जुड़ाव काफी पुराना है, जो पाकिस्तान सुपर लीग की टीम इस्लामाबाद यूनाइटेड के समय से रहा है। अफरीदी के अनुसार शादाब एक बुरे विकल्प नहीं हैं, लेकिन उनकी गेंदबाजी में प्रदर्शन में सुधार जरूरी है ताकि वह टीम को और मजबूती से नेतृत्व दे सकें। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें धागे से लटकी हुई थीं, लेकिन इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत ने पाकिस्तान की थोड़ी उम्मीद जगाई है। फिर भी पाकिस्तान के लिए रास्ता आसान नहीं है। टीम को अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 64 रनों के बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी, या फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच 13.1 ओवर के भीतर समाप्त करना होगा। फिलहाल न्यूजीलैंड का रन रेट (+1.390) पाकिस्तान (-0.461) से काफी बेहतर है, इसलिए पाकिस्तान को बड़े अंतर वाली जीत ही सेमीफाइनल में पहुंचा सकती है। सलमान अली आगा की कप्तानी पिछले कुछ मैचों से विवादों में है। पाकिस्तान के खेल विश्लेषक और पूर्व खिलाड़ी लगातार उनके फैसलों और मैदान पर कमजोर रणनीतियों पर सवाल उठा रहे हैं। क्रिकेट फैंस भी सोशल मीडिया पर कप्तान और टीम दोनों पर नाराजगी जता रहे हैं। अगर टीम श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो सलमान अली अगा की कप्तानी लगभग समाप्त मानी जा रही है। पाकिस्तान के लिए अब सबकुछ उनके अंतिम मुकाबले पर निर्भर करता है। यदि बड़ी जीत मिलती है तो सेमीफाइनल का टिकट संभव है, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो टीम और कप्तान दोनों को विश्व कप के बाद बड़े बदलावों का सामना करना पड़ सकता है।

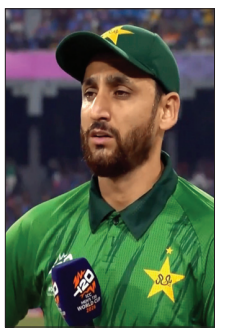

आकिब नबी बने टीम इंडिया की नई उम्मीद, रणजी सीजन में रचा बड़ा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को जल्द ही एक धाकड़ तेज गेंदबाज मिलने जा रहा है। 29 वर्षीय पेसर आकिब नबी रेड बॉल क्रिकेट में लगातार कमाल करते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट की दहलीज पर दस्तक दे रहे हैं। मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन में उनकी घातक गेंदबाजी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने पूरे सीजन बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया और फाइनल मुकाबले में भी अपना दम साबित किया। कर्नाटक के खिलाफ केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे खिताबी मुकाबले की पहली पारी में नबी ने शानदार 5 विकेट चटकाए। उनकी दमदार गेंदबाजी की बदौलत कर्नाटक की पारी 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने 291 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर इतिहास रचने की ओर कदम बढ़ा दिए।

हॉकी इंडिया ने महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम घोषित की, सविता निजी कारणों से हटीं

हैदराबाद (एजेंसी)। अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से महिला विश्व कप क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है जबकि हॉकी इंडिया ने रविवार को मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 20 सदस्यीय टीम घोषित की। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होना है।

मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के तीन क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। टीम को दो पूल में बांटा गया है जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में हैं जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स को पूल बी में रखा गया है।

सूत्रों के मुताबिक सविता ने पारिवारिक कारणों से ब्रेक लिया है। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'सविता टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं थीं क्योंकि उन्होंने पारिवारिक वजहों से नाम वापस ले लिया था। इसलिए उनके नाम पर विचार करने का कोई कारण नहीं था।'

अनुभवी सलीमा टीम की अगुआई करती रहेंगी। बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी साझा करेंगी। सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी रक्षा पंक्ति में शामिल हैं जबकि कैप्टन सलीमा, नेहा, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल और दीपिका सोरेंग मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू को जगह मिली है। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'हम एक साथ अपने पहले टूर्नामेंट को लेकर उत्सुक हैं। हम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रहे हैं जिससे कि टीम में हर कोई अपने काम और भूमिका को समझ सके। हम आगे के मुकाबलों के लिए पूरी तरह से तैयार होने के लिए हैदराबाद में दो अभ्यास मैच खेलेंगे।' भारत अपने अभियान की शुरुआत आठ मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद नौ मार्च और 11 मार्च को क्रमशः स्कॉटलैंड और वेल्स के खिलाफ खेलेगी।

टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबम

डिफेंडर : सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता, इशिका चौधरी

मिडफील्डर : नेहा, सलीमा टेटे, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल, दीपिका सोरेंग

फारवर्ड : नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू

जयसूर्या का इस्तीफा, बोर्ड ने नये कोच की तलाश शुरु की

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच . सनथ जयसूर्या ने पाकिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंकाई टीम लीग स्तर में अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी सुपर-8 के सभी मैच हार गयी है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने अब नये कोच की तलाश भी शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि जयसूर्या जुलाई 2024 में टीम के अंतरिम मुख्य कोच बने थे। इसके बाद अक्टूबर में उन्हें पूर्णकालिक कोच बनाद दिया गया था। उनका करार इसी साल जून 2026 तक था पर टीम के लचर प्रदर्शन को देखते हुए उन्होंने तत्काल पद छोड़ना ही सही समझा है। सुपर-8 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से लगातार मिली हार के बाद श्रीलंकाई टीम बाहर हुई है। इससे टीम साल 2014 के बाद से ही पांचवीं बार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। पाक के खिलाफ अंतिम मैच में दासुन शनाका के 31 गेंदों में नाबाद 76 रन की आक्रामक पारी से टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। वह 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए के पांच रन ही पीछे रह गयी। जयसूर्या के कोच रहते श्रीलंका ने सभी प्रारुपो को मिलाकर कुल 76 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए 34 जीते और कुल जीत प्रतिशत करीब 45 रहा। बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार उसने कोच पद के लिए कई उम्मीदवारों से बात की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बेलारूस में दो पत्रकारों पर देशद्रोह के आरोप, मिली लंबी सजा

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस की एक अदालत ने दो स्वतंत्र पत्रकारों को देशद्रोह के आरोप में लंबी जेल की सजा सुनाई है। 65 वर्षीय उलादजिमिर यानुकेविच को 14 साल और उनके सहयोगी 44 वर्षीय आंद्रेई पाकालेनका को 12 साल की सजा दी गई। दोनों लोकप्रिय मीडिया संस्थान चला रहे थे। मुकदमा बंद कमरे में चला और आरोपों की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। पत्रकार संगठन का कहना है कि यह फैसला सरकार द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी पर जारी सख्ती का हिस्सा है। संगठन के अनुसार, इस समय बेलारूस में 28 स्वतंत्र पत्रकार जेल में हैं। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको तीन दशकों से सत्ता में हैं। 2020 के चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनमें हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसी बीच एक और पत्रकार पावेल दाब्रावोल्स्की पर भी देशद्रोह का मुकदमा शुरू हुआ है। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि बेलारूस में 1,143 राजनीतिक कैदी हैं। विपक्षी नेताओं ने कहा है कि पत्रकारिता कोई अपराध नहीं है और सरकार सच्चाई से डरती है।

बुर्किना फासो में दुष्कर्म के मामले में अमेरिकी कर्मचारी को उम्रकैद

बुर्किना फासो, एजेंसी। अमेरिका के मैरीलैंड के रहने वाले फोदे सिताफा मारा को दो नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मारा 2022 और 2023 में बुर्किना फासो की राजधानी औगाडुगू में अमेरिकी दूतावास में कर्मचारी था। अदालत में पेश सबूतों के मुताबिक, उसने 13 और 15 साल की लड़कियों के साथ अपने सरकारी आवास में दुष्कर्म किया। अभियोजन पक्ष ने बताया कि लड़कियां बेहद गरीब परिवार से थीं और उनकी मां गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। मारा ने मदद के बदले उनसे संबंध बनाने की मांग की। जूरी ने उसे नाबालिगों के यौन शोषण, दबाव बनाने और न्याय में बाधा डालने जैसे आरोपों में दोषी पाया। उसके वकील ने कहा है कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेगा। यह मामला प्रोजेक्ट सेफ चाइल्डहुड के तहत चलाया गया, जो बच्चों के यौन शोषण के खिलाफ अमेरिकी अभियान है।

कांगो में सामूहिक कब्र मिलने से बीमारी का डर

उवीरा, एजेंसी। पूर्वी कांगो के उवीरा शहर में 171 शव सामूहिक कब्रों में मिलने के बाद लोगों में बीमारी फैलने का डर बढ़ गया है। दक्षिण किवु प्रांत के गवर्नर ने आरोप लगाया कि ये हत्याएं एम23 विद्रोही समूह ने कीं। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ शव ठीक से दफन नहीं किए गए थे और वे सड़ रहे हैं, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को खतरा है। अधिकारियों ने इलाके को सील कर दिया है और जांच शुरू कर दी है। एम23 ने दिसंबर में उवीरा पर कब्जा किया था, लेकिन बाद में शांति प्रक्रिया के तहत शहर छोड़ दिया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पूर्वी कांगो में 100 से ज्यादा सशस्त्र समूह सक्रिय हैं और सात मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। यह संघर्ष दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संकटों में से एक बन चुका है।

हांगकांग में कार्यकर्ता के पिता को जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रह रही हांगकांग की लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता एना क्वोक ने कहा है कि उनके पिता को जेल भेजे जाने से उनका हौसला और मजबूत हुआ है। हांगकांग की अदालत ने उनके 69 वर्षीय पिता को आठ महीने की सजा सुनाई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने एना की बीमा पॉलिसी से लगभग 11,000 डॉलर निकालने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि यह राशि फरार व्यक्ति की संपत्ति थी। एना क्वोक पर हांगकांग सरकार ने इनाम घोषित किया है और उन पर विदेशी प्रतिबंधों के लिए लॉबिंग करने का आरोप है। अमेरिकी अधिकारियों ने उनके पिता की सजा की आलोचना की है। एना ने कहा कि वह पीछे नहीं हटेंगी और लोकतंत्र के लिए लड़ाई जारी रखेंगी।

इक्वाडोर-कोलंबिया के बीच व्यापार युद्ध तेज

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने कोलंबिया पर सख्त रुख अपनाते हुए वहां से आने वाले सामान पर टैक्स 30% से बढ़ाकर 50% कर दिया है। उनका कहना है कि कोलंबिया सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने में नाकाम रहा है। कोलंबिया ने जवाब में इक्वाडोर के कई उत्पादों पर 30% शुल्क लगा दिया और बिजली आपूर्ति रोकने की चेतावनी दी। दोनों देशों के कारोबारी संगठनों ने कहा है कि इससे हजारों नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। इक्वाडोर का कहना है कि कोलंबिया के साथ उसका व्यापार घाटा 1.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि कोलंबिया ने आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि उसने रिकॉर्ड मात्रा में कोकीन जब्त की है। तनाव कम करने के लिए फिलहाल कोई बैठक तय नहीं हुई है।

बोलिविया में करेंसी से भरा प्लेन क्रैश, 15 की मौत

30 घायल, खराब मौसम के कारण रनवे से फिसला; हाईवे पर बिखरे नोट उठाने जुटे लोग

ला पाज, एजेंसी। बोलिविया के एल आल्टो शहर में शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) एक विमान क्रैश हो गया। यह बोलिविया की वायुसेना का हरक्यूलिस विमान था। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। विमान देश के सेंट्रल बैंक के नए नोट लेकर जा रहा था।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, खराब मौसम के बीच विमान लैंडिंग के बाद रनवे से फिसलकर पास की व्यस्त सड़क पर जा गिरा। जिस सड़क पर यह गिरा, वहां खड़ी 10 से 15 गाड़ियां भी इसके चपेट में आ गईं। एयरक्राफ्ट का मलबा, टूटी हुई कारें और लाशें सड़क पर बिखरी नजर आईं। सड़क पर बैंक के नोट भी बिखरे नजर आए, जिन्हें उठाने के लिए लोग मौके पर जुट गए। हादसे के बाद एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

दो टुकड़ों में बंटा प्लेन : सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में हादसे के बाद अफरातफरी का माहौल दिखा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि, इन वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। हादसे के बाद एल आल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर

दिया गया। राष्ट्रीय एयरलाइन ने बयान जारी कर बताया कि दुर्घटनाग्रस्त प्लेन उसके बेड़े का हिस्सा नहीं था, यह बोलिवियन एयर फोर्स का विमान था। स्थानीय मीडिया में प्रसारित फुटेज में विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखा। हादसे के बाद प्लेन दो टुकड़ों में बंट गया।

बोलिविया का सेंट्रल बैंक आज इस घटना पर प्रेस ब्रीफिंग करने वाला है। हादसे के कारणों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में जारी है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान ने एल ऑल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी ही थी कि खराब मौसम या तकनीकी खराबी के कारण वह अनियंत्रित होकर पास की मुख्य सड़क पर जा गिरा। सड़क पर गिरते ही विमान ने करीब एक दर्जन से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। मलबे की चपेट में आने से कई कारें पूरी तरह चकनाचूर हो गई हैं। विमान के गिरने के बाद उसमें भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सड़क पर बिखरे नोट, बटोरने के लिए मची अफरातफरी : हादसे के बाद एक अजीबोगरीब स्थिति तब पैदा हो गई जब विमान में रखे करोड़ों के नए नोट पूरी सड़क पर बिखर गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि मलबे और धुएं के बीच सैकड़ों लोग बचाव कार्यों में मदद करने के बजाय बिखरी हुई नकदी को इकट्ठा करने के लिए दौड़ पड़े।

भीड़ इतनी अनियंत्रित हो गई थी कि पुलिस और स्थानीय प्रशासन को लोगों को हटाने के लिए 'वॉटर कैनन' और दंगा नियंत्रण उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा। बोलीविया के सेंट्रल बैंक ने पुष्टि की है कि विमान नए बैंक नोटों को देश के आंतरिक हिस्सों में ले जा रहा था।

एयरपोर्ट बंद, जांच शुरू : इस भयावह हादसे के बाद एल ऑल्टो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। बोलीविया के रक्षा मंत्रालय और वायुसेना ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। अग्निशमन विभाग के प्रमुख पावेल तोवर ने बताया कि मृतकों में विमान के चालक दल के सदस्य और सड़क पर चल रहे वाहन सवार दोनों शामिल हो सकते हैं। फिलहाल घायलों का इलाज पास के अस्पतालों में चल रहा है, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इटली में ट्राम पटरी से उतरी, दुकान की खिड़की से टकराई, 2 लोगों की मौत, 40 घायल

मिलान , एजेंसी। इटली के मिलान शहर में शुक्रवार को एक ट्राम (रेल) पटरी से उतर गई और पास की दुकान की खिड़की से टकरा गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं। स्थानीय दमकल विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि रेल पटरी से उतरने के बाद सीधे एक दुकान में जा घुसी। घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय इमरजेंसी सेवाओं के मुताबिक मौके पर 13 एंबुलेंस भेजी गईं। नागरिक सुरक्षा टीमों ने घायलों की मदद के लिए वहां एक अस्थायी टेंट भी लगाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया था। मिलान परिवहन कंपनी एटीएम ने बयान जारी कर कहा कि हादसे में शामिल ट्राम शहर में चलने वाले नए मॉडलों में से एक थी। कंपनी ने घटना पर गहरा दुख जताया और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। एटीएम ने कहा कि हादसे के कारणों की जांच के लिए वह संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। फिलहाल हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों की जांच जारी है।

स्वीडन में रूसी ड्रोन की घुसपैठ : स्टॉकहोम, एजेंसी। स्वीडन की सेना ने बताया कि इस हफ्ते दक्षिणी स्वीडन के पास एक रूसी ड्रोन ने बिना अनुमति उड़ान भरी। यह घटना उस समय हुई जब फ्रांस का परमाणु शक्ति से चलने वाला विमानवाहक पोत चार्ल्स डी गॉल माल्मो बंदरगाह पर मौजूद था। यह जहाज नियमित नाटो अभ्यास के तहत स्वीडन आया हुआ है। स्वीडिश सेना के अनुसार, ओरेसुंड जलडमरूमध्य में मौजूद एक रूसी सिग्नल इंटेलिजेंस जहाज से ड्रोन उड़ता हुआ देखा गया। स्वीडन के एक नौसैनिक जहाज ने ड्रोन को ट्रैक किया और उसके सिग्नल को जाम करने के लिए तुरंत जवाबी कदम उठाए।

अमेरिकी सैन्य खतरे की आशंका के चलते ईरानी कॉलेजों में विरोध प्रदर्शन

तेहरान, एजेंसी। ईरानी सरकार द्वारा देशव्यापी बड़े प्रदर्शनों को कुचलने के लिए बल प्रयोग किए जाने के सात सप्ताह बीत चुके हैं। लेकिन इस्लामी गणराज्य के खिलाफ जनता का प्रतिरोध अभी भी ईरानी कॉलेज परिसरों में सुलगता हुआ दिखाई दे रहा है। देश के छात्र आंदोलन पर नजर रखने वाले एक निर्वासित ईरानी कार्यकर्ता, विरोध प्रदर्शन के प्रत्यक्षदर्शी चार छात्रों के अनुसार, पिछले सप्ताह कम से कम 10 परिसरों में सरकार विरोधी प्रदर्शन आयोजित किए गए थे। नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले सभी छात्रों ने अपने-अपने परिसरों में ईरान के नेताओं के प्रति बढ़ते गुस्से और अपने देश की दिशा को लेकर भ्रम की बात कही।

कैंपस में बढ़ता तनाव ऐसे समय में सामने आया है जब सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली ईरानी सरकार को देश के परमाणु कार्यक्रम को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा सैन्य कार्रवाई की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार छात्रों और प्रशासकों को लगातार धमका रही है। इस सप्ताह एक सरकारी अधिकारी ने छात्रों को सीमा रेखा पार न करने की चेतावनी दी, जबकि ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख एक कट्टरपंथी मौलवी ने कहा कि यदि प्रशासकों ने विरोध प्रदर्शनों पर लगाम नहीं लगाई तो अपराधों के लिए दंड दिया जाएगा। कई विश्वविद्यालयों ने अपने परिसर बंद कर दिए हैं और कक्षाएं ऑनलाइन स्थानांतरित कर दी हैं।

शंघाई में मेटाबॉलिक रोग केंद्र शुरू, भारत-चीन संबंधों पर चर्चा : शंघाई, एजेंसी।। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तहत स्थापित मेटाबॉलिक रोग सहयोग केंद्र के उद्घाटन अवसर पर भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। शंघाई में भारत के महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने शंघाई के मेयर गॉन्ग झेन्ग से मुलाकात की। यह बैठक शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गनाइजेशन के ढांचे के अंतर्गत स्थापित एससीओ मेटाबॉलिक डिजीज सेंटर के उद्घाटन के दौरान हुई।

ट्रंप ने एंथ्रोपिक को दिखाया बाहर का रास्ता, सैम ऑल्टमैन के ओपनएआई की पेंटागन में एंट्री

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एआई कंपनी ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत उसके एआई मॉडल रक्षा एजेंसी के क्लासिफाइड नेटवर्क में 'तकनीकी सुरक्षा उपायों' के साथ इस्तेमाल किए जाएंगे। ऑल्टमैन ने कहा कि कंपनी के दो सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा सिद्धांत घरेलू स्तर पर सामूहिक निगरानी पर रोक और बल प्रयोग की जिम्मेदारी मनुष्यों के हाथ में रखने से जुड़े हैं, जिनमें स्वायत्त हथियार प्रणालियां भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये सिद्धांत इस समझौते का हिस्सा बनाए गए हैं।

केवल क्लाउड नेटवर्क पर होगी तैनाती : ऑल्टमैन ने कहा, 'हम अपने मॉडलों के सही ढंग से काम करने को सुनिश्चित करने के

लिए तकनीकी सुरक्षा उपाय भी बनाएंगे, जैसा कि युद्ध विभाग भी चाहता था। हम अपने मॉडलों की सहायता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फाइनल डेवलपमेंट ऑथेंटिकेशन तैनात करेंगे, और इन्हें केवल क्लाउड नेटवर्क पर ही तैनात करेंगे। हम युद्ध विभाग से अनुरोध कर रहे हैं कि वह सभी ढ कंपनियों को यही शर्तें प्रदान करे, जिन्हें हमारे विचार से सभी को स्वीकार करना चाहिए।

ट्रंप ने दिए संघीय एजेंसियों को एंथ्रोपिक का इस्तेमाल बंद करने के निर्देश : यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब प्रतिद्वंद्वी एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने पेंटागन के साथ अपने समझौते में इसी तरह के सुरक्षा प्रावधानों पर जोर दिया था, जिस पर इस सप्ताह ट्रंप प्रशासन की नाराजगी सामने आई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी संघीय एजेंसियों को एंथ्रोपिक टेक्नोलॉजी का उपयोग तुरंत बंद करने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ पेंटागन और एंथ्रोपिक आमने-सामने आ चुके हैं। ट्रंप के एजेंसियों को दिए सख्त आदेश के बाद रिपोर्ट्स के मुताबिक एंथ्रोपिक ने अपनी एआई तकनीक पर 'आपूर्ति चेन जोखिम' का लेबल लगाने के मामले में पेंटागन को अदालत में चुनौती देगा। ट्रंप प्रशासन के फैसले के खिलाफ एंथ्रोपिक जाएगा कोर्ट अमेरिका का रक्षा विभाग पेंटागन प्रसिद्ध एआई कंपनी एंथ्रोपिक के साथ उस वक्त गंभीर विवाद में फंस गया है। जब उसने एंथ्रोपिक से कह रहा है कि उसके एआई मॉडल क्लाउड को अमेरिकी सेना में बिना रोक-टोक उपयोग करने की अनुमति दें। इसी के साथ कहा गया कि अगर एआई कंपनी ऐसा नहीं करती है, तो उसे सप्लाई चेन रिस्क के रूप में नामित करने की भी चेतावनी दी।

यौन अपराधी से संबंध पर क्लिंटन बोले- अपराध से अनजान था

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने जेफ्री एपस्टीन मामले में किसी भी तरह की भूमिका से इनकार किया है। न्यूयॉर्क में हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने बंद कमरे में हुई गवाही में उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन की आपराधिक गतिविधियों की जानकारी नहीं थी।

क्लिंटन ने अपने लिखित प्रारंभिक बयान में कहा कि अगर उन्हें एपस्टीन की गतिविधियों की जानकारी होती तो वे उससे दूरी बना लेते और खुद ही पुलिस के हवाले कर देते। उन्होंने कहा कि वे एपस्टीन के अपराधों से अनजान थे और दो दशक पहले ही उससे संबंध खत्म कर चुके थे।

गवाही के दौरान एक तस्वीर पर भी सवाल हुआ, जिसमें क्लिंटन

एक अज्ञात महिला के साथ हॉट टब में दिखाई देते हैं। महिला की पहचान गोपनीय रखी गई है। सूत्रों के मुताबिक क्लिंटन ने कहा कि वे उस महिला को नहीं जानते और उनके साथ किसी तरह का यौन संबंध नहीं था।

एक दिन पहले पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी कमेटी के सामने बयान दिया था। उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन के अपराधों की कोई जानकारी नहीं थी। दोनों ने शुरुआत में गवाही देने का विरोध किया था। हालांकि, संसद की अवमानना की कार्रवाई की संभावना के बाद उन्होंने गवाही देने पर सहमति दी।

रिपब्लिकन चेयरमैन जेम्स कोमर ने कहा कि वीडियो व पूरी ट्रांसक्रिप्ट जल्द जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्लिंटन ने हर सवाल का जवाब दिया या देने की कोशिश की। गवाही के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और एपस्टीन के संबंधों पर भी सवाल उठे। डेमोक्रेट सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने कहा कि क्लिंटन की गवाही में ट्रम्प से जुड़े तथ्य सामने आए हैं, जिन पर पूछताछ होनी चाहिए।

कोमर के मुताबिक क्लिंटन ने कहा कि ट्रम्प को बुलाना कमेटी का फैसला है और उन्हें ट्रम्प के किसी भी अपराध में शामिल होने की जानकारी नहीं है। कोमर ने कहा कि क्लिंटन 50 साल में संसद के सामने बयान देने वाले पहले राष्ट्रपति हैं।

एपस्टीन पर नाबालिगों की तस्करी और यौन शोषण के आरोप थे। वह 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में मृत पाया गया था। जारी दस्तावेजों में कई प्रभावशाली लोगों के नाम हैं, हालांकि दस्तावेजों में नाम आने मात्र से किसी के खिलाफ अपराध सिद्ध नहीं होता।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के तुरंत बाद अमेरिका ने किया इजरायल का रुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजरायल दौरे के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी इजरायल की यात्रा की तैयारी की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को विदेश मंत्री मार्को रूबियो के 2-3 मार्च को इजरायल दौरे की घोषणा की। विदेश विभाग के प्रमुख उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रूबियो 2-3 मार्च 2026 को इजरायल की यात्रा करेंगे। उन्होंने यात्रा के उद्देश्य की रूपरेखा बताते हुए कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री वहां क्षेत्रीय प्राथमिकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा करेंगे, जिनमें ईरान, लेबनान और गाजा के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की 20-सूत्रीय शांति योजना को लागू करने के जारी प्रयास शामिल हैं। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेल अवीव दौरे के खत्म होने के तुरंत बाद हुई, जिसने भारत, इजरायल और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका का ध्यान खींचा था। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग के बयान में दोनों घटनाओं को जोड़ा नहीं गया, लेकिन टाइमिंग वेस्ट एशियन रीजन में एक्टिव डिप्लोमैटिक एंगेजमेंट को दिखाता है। ट्रंप प्रशासन भारत को इस क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी मानता है, क्योंकि भारत के सभी

संबंधित पक्षों के साथ मजबूत संबंध हैं। रूबियो की चर्चाएं ईरान की क्षेत्रीय भूमिका, लेबनान की नाजुक स्थिति और गाजा से संबंधित कूटनीतिक प्रयासों पर केंद्रित रहने की संभावना है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'गाजा के लिए 20-सूत्रीय शांति योजना' का उल्लेख इस बात का संकेत है कि वाशिंगटन क्षेत्र को स्थिर करने के उद्देश्य से एक निर्धारित रूपरेखा पर आगे बढ़ रहा है। अमेरिका लंबे समय से इजरायल का सबसे करीबी सहयोगी रहा है और पश्चिम एशिया की कूटनीति में गहराई से शामिल है। गाजा ने पिछले एक दशक में बार-बार संघर्षों का सामना किया है, जिसके कारण वाशिंगटन और अन्य अंतरराष्ट्रीय पक्षों की लगातार भागीदारी बनी रही है। भारत, इजरायल और अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ मिलकर क्षेत्र में शांति और महत्वाकांक्षी सहयोग के उद्देश्य से एक नए समूह आई2यू2 का गठन किया है।

किम जोंग उन ने अधिकारियों को गिफ्ट कीं स्नाइपर राइफल, निशाना लगाते दिखी बेटी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया की सत्ताधारी पार्टी के शीर्ष पद पर चुने जने के बाद किम जोंग उन ने अपने शीर्ष अधिकारियों और कमांडरों को नई स्निपर राइफल गिफ्ट की हैं। एक समारोह के दौरान किम जोंग उन ने लोगों को राइफल का तोहफा दिया। वहीं उनकी बेटी राइफल से निशाना लगाती नजर आई। चर्चा है कि किम जोंग उन बेटी को ही अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं। किम जोंग उन ने कहा कि राइफल गिफ्ट करना दिखाता है कि उनका अपने अधिकारियों पर पूर्ण विश्वास है। इसके अलावा वर्कर्स पार्टी के लिए वह पूरी तरह से ईमानदार हैं.

हाल ही में किम की ब हन किम यो जोंग भी अमरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ काफी बयान दे रही थीं। ऐसे में उनको लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि एक बार फिर किम जोंग उन को ही वर्कर्स पार्टी का चीफ चुना गया। स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में दिखाया गया कि किम यो जोंग के हाथ में भी राइफल है।

बेटी किम जू ए को लेकर क्या है प्लान : किम जोंग की बेटी की उम्र अभी 13 साल है। वैसे तो किम जोंग उन अपने परिवार को सार्वजनिक रूप से कहीं ले नहीं जाते हैं। हालांकि हाल ही में एक मिसाइल टेस्ट के दौरान वह अपनी बेटी को लेकर गए थे। इसके अलावा उनकी बहन की भी कई तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। हाल ही में जब किम जोंग उन चीन की यात्रा पर गए थे तब भी वह बेटी को साथ लेकर गए थे। वर्कर्स पार्टी ने सात दिनों का एक वार्षिक समारोह किया जिसमें किम जोंग उन का जमकर गुणगान किया गया।

अमेरिका को दे दी धमकी : किम जोंग उन ने कहा है कि यदि अमेरिका अपनी शत्रुतापूर्ण नीति छोड़कर उत्तर कोरिया के परमाणु संपन्न राष्ट्र के संवैधानिक दर्जे को स्वीकार करता है, तो उत्तरी कोरिया अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारने के लिए तैयार

होगा। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की नौवीं कांग्रेस के अवसर पर आयोजित एक परमाणु सैन्य परेड में श्री किम ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा 'यदि अमेरिका उत्तर कोरिया के संविधान में परिभाषित परमाणु राष्ट्र की वर्तमान स्थिति का सम्मान करता है और उत्तर कोरिया के प्रति अपनी शत्रुतापूर्ण नीति वापस लेता है, तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि हम अमेरिका के साथ अच्छे संबंध स्थापित न कर सकें।' किम ने कहा कि अमेरिका और उत्तर कोरिया साथ चल सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब अमेरिका यह स्वीकार कर ले कि उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार स्थायी रूप से रहेंगे। उत्तरी कोरिया के सुप्रीम लीडर की टिप्पणियों को अप्रैल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा से पहले अमेरिका के साथ बातचीत का रास्ता खोलने के रूप में देखा गया। श्री किम ने हालांकि दक्षिण कोरिया के साथ किसी भी राजनयिक सुधार की उम्मीदों को खारिज करते हुए उन्हें सबसे बड़ा शत्रु करार दिया। किम ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया ने देश की पहचान एक परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थायी रूप से स्थापित कर दी है और विरोधियों को स्पष्ट कर दिया है कि जब तक वैश्विक वातावरण में मौलिक बदलाव नहीं आता, उत्तरी कोरिया अपने परमाणु हथियारों का त्याग नहीं करेगा।सुप्रीम लीडर ने इस बात पर जोर दिया कि देश के परमाणु सशस्त्र बलों का और अधिक विस्तार और सुदृढ़ीकरण करना पार्टी के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा,' हमारे पास वार्षिक आधार पर राष्ट्रीय परमाणु शक्ति को मजबूत करने की एक दीर्घकालिक योजना है और हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ परमाणु अभियानों के साधनों और दायरे के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

पर्टामिना घोटाला- पूर्व सीईओ सहित नौ को 9 से 15 साल कैद

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की एक अदालत ने सरकारी ऊर्जा कंपनी पर्टामिना की सहायक इकाइयों से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार मामले में दो पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) समेत नौ लोगों को दोषी ठहराते हुए नौ से 15 साल तक की सजा सुनाई है। सेंट्रल जकार्ता कोर्ट ने बृहस्पतिवार को यह फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार अवैध रूप से ईंधन टर्मिनल लीज पर देने और कच्चे तेल के गैरकानूनी आयात समेत अन्य अनियमितताओं से राज्य को करीब 17 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं, दुबई जाने वालों पर बीजेपी सांसद का विवादित तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद भी इजरायल और ईरान के बीच जंग थमती नहीं दिख रही है। सऊदी अरब से लेकर यूएई और कुवैत से लेकर बहरीन तक ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। ऐसे में बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने भारतीय पासपोर्ट छोड़कर मिडिल ईस्ट में बसने वाले भारतीयों पर तंज कसा है और मोदी सरकार की तारीफ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत दुबे ने कहा है कि अपना भारतीय पासपोर्ट छोड़कर दुबई जाने वाले लोगों के लिए सबक, मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं। लम्बे लम्बे सोशल मीडिया पर पोस्ट करना आसान है। दुबे का यह कमेंट ऐसे समय आया है, जब ईरान लगातार दुबई को भी अपनी मिसाइलों के जरिए निशाना बना रहा है। बता दें पिछले कुछ सालों में ऐसे कई मामले सामने आए जब भारतीय नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर अमेरिका, ब्रिटेन या दुबई की नागरिकता हासिल कर ली है। बता दें दुबई अपना अंतरराष्ट्रीय लेवल और ऊंचा करने के लिए दुनियाभर से अमीर और फेमस लोगों को दुबई आकर बस जाने के लिए आमंत्रित करता है। ऐसे लोगों को दुबई अपने यहां की नागरिकता भी देता है। आकर्षक ऑफर्स को देखते अलग-अलग देशों से बड़ी तादाद में लोग अपनी नागरिकता छोड़कर दुबई की नागरिकता ले लेते हैं।

अखिलेश यादव ने आई-पैक के साथ डील की फाइनल

-बंगाल चुनाव के बाद यूपी में ग्राउंड पर उतरेगी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक साल बाकी है। समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में बढ़त के बाद सपा उत्साहित है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने कैंपेन को संभालने के लिए पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक को हायर किया है। दोनों कैंप के सूत्रों ने कन्फर्म किया कि यह डील इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में फाइनल हुई थी। आई-पैक को जन सुराज लीडर प्रशांत किशोर ने को-फाउंड किया था। आई-पैक पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आने वाले चुनावों के बाद सपा के लिए काम शुरू करेगी।

बंगाल के बाद शुरू होगा काम

आई-पैक के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि हमारा ज्यादातर वर्कफोर्स अभी पश्चिम बंगाल में असेंबली इलेक्शन के लिए इकट्ठा है। हालांकि शुरुआती मीटिंग्स हो चुकी हैं, लेकिन ज्यादातर काम उत्तर प्रदेश में बंगाल इलेक्शन के बाद ही शुरू होगा। हमारे एक डायरेक्टर विनेश चंदेल वहां टीम को हेड करेंगे।

आईईडी ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट घायल

चाईबासा (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक घायल हो गए। घटना सारंडा के मरांगपोंगा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में सघन तलाशी अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान पहले से बिछाए गए विस्फोटक में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास मौजूद जवान भी सतर्क हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की मूवमेंट को देखते हुए पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था। धमाके में सहायक कमांडेंट मल्लिक को चोटें आईं, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। विस्फोट के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जवानों ने घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जंगल के बीच चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाने की तैयारी की गई।

टांडा के जंगल में हाथी से टकराई बाइक, दो भाईयों की मौत

हल्द्वानी (एजेंसी)। टांडा जंगल में हाथी से दोपहिया वाहन टकरा गया। इससे दोपहिया वाहन सवार सड़क पर गिर गए, जिसमें एक मौत हो गई। जबकि दूसरे को अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से शाहजहांपुर कटरा और वर्तमान में बनभूलपुरा के गफूर बस्ती निवासी शकील (26) और जाफर (28) शनिवार की शाम हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान टांडा रोड स्थित हाथी कारिडोर में उनके वाहन के सामने अचानक हाथी आ गया, जिससे उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और वाहन चल रहे शकील के सिर में चोट लग गई। साथ ही पीछे बैठे जाफर भी सड़क हादसे में घायल हो गया। सड़क हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां शकील को मृत घोषित कर दिया, जबकि जाफर को हायर सेंटर भेजा, जिसपर बरेली ले जाते वक्त रास्ते में जाफर ने भी दम तोड़ दिया। लोगों ने बताया की दोनों रिश्ते के भाई थे। जो हल्द्वानी में रहकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी व कपड़ों की फेरी करते थे घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, डोडा ज़िले में 4.2 तीव्रता से कांपी धरती

जम्मू (एजेंसी)। रविवार तड़के सुबह जम्मू-कश्मीर का डोडा ज़िला भूकंप के झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर 4.2 मैग्नीट्यूड की तीव्रता वाले इस भूकंप ने पहाड़ी इलाके के निवासियों में दहशत पैदा कर दी, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जैसे ही सुबह हुई, परेशान लोकल लोग हालात का अंदाज़ा लगाने के लिए अपने घरों से बाहर निकले, उन्हें हिमालय की ठंडी हवा के बीच अपने पहाड़ी गांवों को सही-सलामत पाकर राहत मिली।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर में कटे 61 लाख नाम, 8 फीसदी की गिरावट

पहले मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पिछले चार महीनों से जारी एसआईआर की प्रक्रिया शनिवार को खत्म हो गई। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची में राज्य के चुनावी परिदृश्य की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। इस बार मतदाता सूची में 8 फीसदी यानी करीब 61 लाख की शुद्ध गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अन्य 60 लाख मतदाताओं के नाम जांच के घेरे में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक बंगाल की नई मतदाता सूची में 7.04 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। अक्टूबर में जब प्रक्रिया शुरू हुई थी, तब मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई है।

चुनाव आयोग के मुताबिक सबसे ज्यादा पुरुष मतदाताओं की संख्या 3,60,22,642 है। इसके बाद महिला मतदाताओं की संख्या 3,44,35,260 है। वहीं बंगाल में थर्ड जेंडर वोटर की संख्या 1,382 है। अब तक 63,66,952 नाम हटाए गए हैं। ये या तो मृत हो गए हैं या फिर कहीं दूसरी जगह पर शिफ्ट हो चुके हैं।

इस संशोधन की सबसे बड़ी और विवादास्पद बात यह है कि 60,06,675 मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में तो हैं, लेकिन उनके आगे विचाराधीन का मार्क लगा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त 501 न्यायिक अधिकारी इन नामों की समीक्षा कर रहे हैं। सीईओ अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि जब तक इन अधिकारियों द्वारा नामों को हरी झंडी नहीं दी जाती और सप्लीमेंट्री सूची जारी नहीं होती, ये 60 लाख लोग आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। अग्रवाल ने स्वीकार किया कि इस विशाल प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां हुई हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें नगण्य बताया।

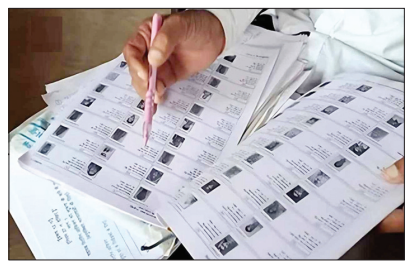

पश्चिम बंगाल का यह चुनाव संशोधन कई मायनों में ऐतिहासिक और विवादित रहा है। माइक्रो-ऑब्जर्वर्स की तैनाती को लेकर विवाद हुआ। पहली बार चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के अधिकारियों के काम की निगरानी के लिए हजारों केंद्रीय कर्मचारियों को माइक्रो-ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया। सीएम ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिसके बाद अदालत ने न्यायिक अधिकारियों को पात्रता तय करने का जिम्मा सौंपा। चुनावों की आहट के बीच राज्य में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। सीईओ ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 240 कंपनियां पहले ही तैनात की जा चुकी हैं और 240 अन्य कंपनियां 10 मार्च से पहले बंगाल पहुंच जाएंगी। चुनाव की घोषणा होने तक कानून-व्यवस्था राज्य प्रशासन के अधीन रहेगी, जिसके बाद यह पूरी तरह चुनाव आयोग के नियंत्रण में आ जाएगी।

एलओसी पार से पुंछ में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय सेना ने फायरिंग कर खदेड़ दिया

जम्मू (एजेंसी)। एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकत की गई, जबकि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी ड्रोन भेजा गया। रविवार तड़के डिगवार इलाके में तैनात भारतीय सेना के जवानों ने उक्त संदिग्ध ड्रोन को देखते ही तुरंत जवाबी फायरिंग की। जानकारी अनुसार पाकिस्तानी ड्रोन रविवार सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर भारतीय क्षेत्र में दाखिल होता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद सेना ने दर्जनभर से अधिक राउंड फायर करके वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। इस संबंध में सैन्य अधिकारियों ने मीडिया को बताया, कि भारतीय सीमा पर घुसा ड्रोन सेना की गोलीबारी से बच निकला। आसमान में मंडराने के बाद ड्रोन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की ओर वापस चला गया। यह दूसरी बार हुआ जबकि तीन दिनों के भीतर सीमा पार से ड्रोन गतिविधि देखी गई है, जिसके चलते भारतीय सेना को कड़े कदम उठाने पड़े हैं। यहां बताते चलें कि 27 फरवरी को भी इसी क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ हुई थी, जिस पर सेना ने कार्रवाई की थी। ऐसे में मौजूदा घटनाक्रम सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि ड्रोन का इस्तेमाल अक्सर हथियार या नशीले पदार्थ गिराने या फिर जासूसी करने के लिए किया जाता है। ड्रोन वाली घटना के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने संपूर्ण इलाके में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। सर्च ऑपरेशन से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उक्त ड्रोन ने कोई हथियार या प्रतिबंधित सामग्री तो भारतीय सीमा पर नहीं छोड़ी है। इसी के साथ ही पूरे पुंछ सेक्टर में चौकसी बढ़ा दी गई है और सीमा पर भी निगरानी कड़ी कर दी गई है। इस घटना को गंभीर इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफतो पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमले कर रहा और जंग के हालात पैदा किए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर भारत में ड्रोन भेजकर एक नया मोर्चा खोलने का इरादा जता रहा है।

यूएस-इजराइल हमले में मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीय को बचाए सरकार

-कांग्रेस ने की सरकार से इस युद्ध को खत्म करने में मदद की अपील

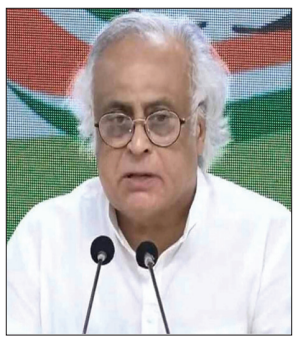

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस ने भारत सरकार से इस युद्ध को तुरंत खत्म करने और पश्चिम एशिया में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की अपील की है। बता दें इस भयानक युद्ध के बीच कई भारतीय मिडिल ईस्ट में फंसे हुए हैं। हालांकि भारत सरकार की ओर से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हफ्तों तक राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ डिप्लोमेसी और बातचीत का दिखावा करते रहे हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू और अमेरिका में कट्टरपंथियों के उकसाने पर उन्होंने शासन बदलने के मकसद से एक सैन्य हमला शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हमले की निंदा करती है और सरकार से इस वॉर को खत्म करने में मदद करने की अपील करती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट संकट पर कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती दुश्मनी चिंताजनक है। पूरे मिडिल ईस्ट में हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी के इजराइल दौरे को शर्मनाक और गलत समय पर बताया और कहा कि इससे मिलिट्री बढ़ोतरी को राजनीतिक समर्थन मिलने का एहसास होता है। रमेश ने कहा कि मोदी के इजराइल दौरे का जश्न मनाने के दो दिन बाद, इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर मिलकर हमला शुरू कर दिया।

बिहार की हार से सीख लेकर कांग्रेस और डीएमके में बनी सहमति, सीट बंटवारे का फॉर्मूला तैयार

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की सियासत में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही गठबंधन की तस्वीर अब साफ होने लगी है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीटों का गतिरोध खत्म होता दिख रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के कड़वे अनुभवों से बड़ी सीख ली है। बिहार में महागठबंधन के बीच अंतिम समय तक सीट बंटवारा न हो पाने और कई सीटों पर फ्रेंडली फाइट के कारण मिली करारी हार को देखते हुए, इस बार तमिलनाडु में कांग्रेस ने व्यावहारिक रुख अपनाया है।

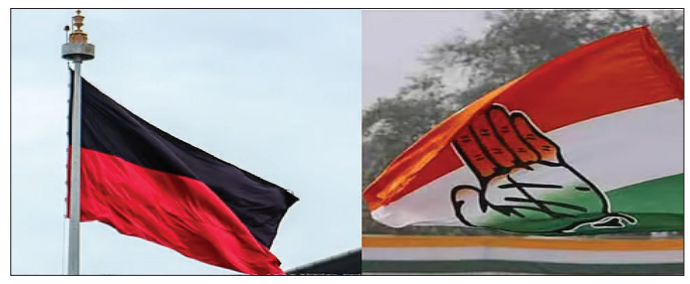

डीएमके प्रमुख और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गठबंधन को एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डीएमके ने दो मुस्लिम दलों के साथ समझौता पक्का कर लिया है। पार्टी मुख्यालय में हुई घोषणा के अनुसार, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मनिधनेया मक्कल कत्ची (एमएमके) को दो-दो विधानसभा सीटें आवंटित की गई हैं। आईयूएमएल अपने पारंपरिक 'सीढ़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एमएमके के उम्मीदवार डीएमके के 'राइजिंग सन' सिंबल पर मैदान में उतरेंगे। यह कदम अल्पसंख्यक मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश देने की कोशिश माना जा रहा है। कांग्रेस के साथ भी बातचीत अब सकारात्मक मोड़ पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस शुरुआत में 35 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 27 या 28 सीटों और राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट पर समझौता होने की प्रबल संभावना है। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुन्थगई ने संकेत दिए हैं कि डीएमके के साथ बातचीत सौहार्द्रपूर्ण रही है और कांग्रेस का गठबंधन अटूट है। पार्टी ने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि कांग्रेस किसी अन्य दल (जैसे टीवीके) के संपर्क में है।

दूसरी तरफ, विपक्षी खेमे यानी एनडीए में फिलहाल अनिश्चितता का माहौल है। ओ. पन्नीरसेल्वम के डीएमके के पाले में जाने की चर्चाओं के बीच एनडीए में अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हो पाया है, जिससे वे फिलहाल दोराहे पर खड़े नजर आ रहे हैं। डीएमके की योजना है कि 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली में होने वाले पार्टी के राज्य स्तरीय सम्मेलन से पहले सभी सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा अंतिम रूप ले ले। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री स्टालिन सोमवार 2 मार्च 2026 को राज्यसभा सीटों और उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर दिल्ली रवाना हो चुके हैं, जहां हाईकमान की मुहर लगते ही इस समझौते का औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। विदुथलाई चिरुथैगल कत्ची (वीसीके) जैसे अन्य छोटे दलों के साथ भी सोमवार को चर्चा होनी है। एमके स्टालिन की रणनीति साफ है-सहयोगी दलों को उनकी जमीनी ताकत के हिसाब से सीटें देकर गठबंधन को नियंत्रित रखना और चुनाव प्रचार में किसी भी प्रकार की देरी या असमंजस से बचना। अब देखना यह होगा कि बिहार की गलतियों से सबक लेकर बनाया गया यह मजबूत गठबंधन आगामी चुनाव में कितनी सफलता हासिल करता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने ताजा घटनाओं पर जताई चिंता, दोनों पक्ष संयम बरतें

भारत ने जारी की एडवाइजरी भारतीय सतर्क रहें और मिशनों के संपर्क में रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मिडिल ईस्ट में हालात पर चिंता जताते हुए कहा है कि सभी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ताजा घटनाओं से बहुत चिंतित हैं। हम दोनों पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की गुजारिश करते हैं। सभी पक्षों को डायलॉग और डिप्लोमेसी का रास्ता अख्तियार करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि इस क्षेत्र में हमारे मिशन सभी भारतीय नागरिकों के साथ हैं और एडवाइजरी जारी कर कहा गया है कि वे सतर्क रहें, मिशनों के संपर्क में रहें और स्थानीय सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन करें। पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए भारत ने ना केवल ईरान और इजराइल बल्कि दूसरे देशों के लिए भी सलाह जारी की है। बता दें ईरान को लेकर भारत सरकार पहले से ही तीन एडवाइजरी जारी कर चुकी है। इजराइल में कुल दस हजार भारतीय रहते हैं जिनमें से चार हजार छात्र हैं।

भारतीय दूतावास ने कतर में रहने वाले सभी भारतीयों से उचित सावधानी बरतने के लिए कहा है। सैन्य स्थानों से दूर रहने और घरों के अंदर रहने को कहा है। यूएई और फलस्तीन स्थित भारतीय मिशनों ने अडवाइजरी जारी कर भारतीयों से सावधान रहने को कहा है। माना जा रहा है कि हालात अगर बिगड़ते हैं तो भारत अपने नागरिकों को निकालने के लिए इवैक्युएशन ड्राइव की अगुवाई कर सकता है। भारत के लिए पश्चिम एशिया क्षेत्र अहम है। इस क्षेत्र में करीब 9-10 मिलियन भारतीय रहते हैं। यही वजह है कि दो दिन पहले ही इजराइल में पीएम मोदी ने कहा था कि मध्य एशिया की स्थिरता और शांति से भारत के हित जुड़े हैं। उन्होंने डायलॉग और डिप्लोमेसी से सभी विवादों को हल करने के लिए कहा था।

साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई: 11 राज्यों में छापेमारी कर 27 जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम जिला साइबर सेल ने डिजिटल ठगी करने वाले गिरोहों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी देशव्यापी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक सप्ताह तक चले विशेष अभियान के तहत देश के 11 राज्यों में एक साथ छापेमारी की, जिसमें कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के माध्यम से पुलिस ने करीब 10 बड़े मामलों का खुलासा किया है, जिनमें मासूम लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई थी।

जांच में सामने आया है कि इन मामलों में सीधे तौर पर 1.50 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई है। हालांकि, जब पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के बैंक खातों और वित्तीय दस्तावेजों की गहराई से पड़ताल की, तो उसमें करीब 13.91 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला। पुलिस को अंदेशा है कि यह राशि देश के अलग-अलग हिस्सों में की गई अन्य साइबर ठगी से जुड़ी हो सकती है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने इस सफलता की जानकारी साझा करते हुए बताया कि साइबर सेल की टीम लंबे समय से ठगी की शिकायतों पर तकनीकी जांच कर रही थी। डेटा विश्लेषण और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रैक की गई। इसके बाद दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एक साथ दबिश देकर इन जालसाजों को दबोचा गया।

पकड़े गए आरोपियों का जाल काफी फैला हुआ था। ये लोग मुख्य रूप से निवेश के नाम पर झांसा देने, मोबाइल में खतरनाक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाकर डेटा चोरी करने, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए फर्जी स्कीम चलाने और क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से अपराध में इस्तेमाल होने वाली भारी सामग्री भी बरामद की है। बरामद सामान में 25 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, 20 बैंकिंग कार्ड (डेबिट/क्रेडिट), एक पीओएस मशीन, एक बाइक और भारी मात्रा में बैंक दस्तावेज व चेकबुक किट शामिल हैं। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य नामों और ठगी गई रकम की बरामदगी की जा सके।

गोकुल में छड़ीमार होली: गोपियों ने पुलिस ही नहीं विदेशी सैलानियों पर भी बरसाईं छड़ियां

-दुल्हन की तरह सजी महिलाएं, श्रीकृष्ण-बलराम के बाल रूप पर खेला रंग

मथुरा (एजेंसी)। ब्रज के गोकुल में रविवार को छड़ीमार होली की धूम रही, जिसमें महिलाएं दुल्हन की तरह सज-संवरकर भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के बाल स्वरूप पर रंग और छड़ियों की वर्षा करती दिखाई दीं। इस बार गोपियों ने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बड़ी संख्या में आए विदेशी सैलानियों और पुलिसकर्मियों को भी दनादन छड़ियों की झड़ी से नवाजा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बलदेव विधानसभा के बीजेपी विधायक पूरन प्रकाश ने इस मौके पर राधा-कृष्ण बने कलाकारों के साथ मंच पर डांस कर कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले दोपहर 12:30 बजे नंदभवन से भगवान श्रीकृष्ण का डोला निकला, जिसमें कन्हैया और बलराम के बाल रूप सवार थे। लोग डोले के आगे-पीछे रंग-गुलाल उड़ाते हुए मस्ती में चलते दिखाई दिए। रास्ते में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया, फूल, रंग और अबीर से डोले को सजाया गया। चौराहों पर बड़े स्टेज तैयार किए गए, जिन पर महिलाएं सज-धजकर डांस करती रहीं। गलियों में होली के गीत और 'जय राधे, जय कृष्णा' के भजन गूंजते रहे।

छड़ीमार होली की परंपरा

गोकुल में छड़ीमार होली का प्रचलन सदियों पुराना है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने यहीं बाल लीलाएं की थीं। इस खेल में उपयोग की जाने वाली छड़ियों पर गोटेदार कपड़ा लपेटा जाता है, जिससे चोट नहीं लगती। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली की तरह गोकुल की इस परंपरा में भी महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। इस बार की होली में नंदगांव और बरसाना के आयोजनों की याद भी ताजा हो गई थी, जहां राधारानी की सखियों और श्रीकृष्ण के सखाओं के बीच रंगीन छड़ीमार का खेल हुआ।

गोकुल में छड़ीमार होली देखने आए लोगों ने इसे अत्यंत रोचक और जीवंत उत्सव बताया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उत्सव की अद्भुत झलक ने इसे और भी यादगार बना दिया।